भारतीय वैश्विक परिषद

समाचार पत्रक

अंक : 33 | अप्रैल - जून, 2023

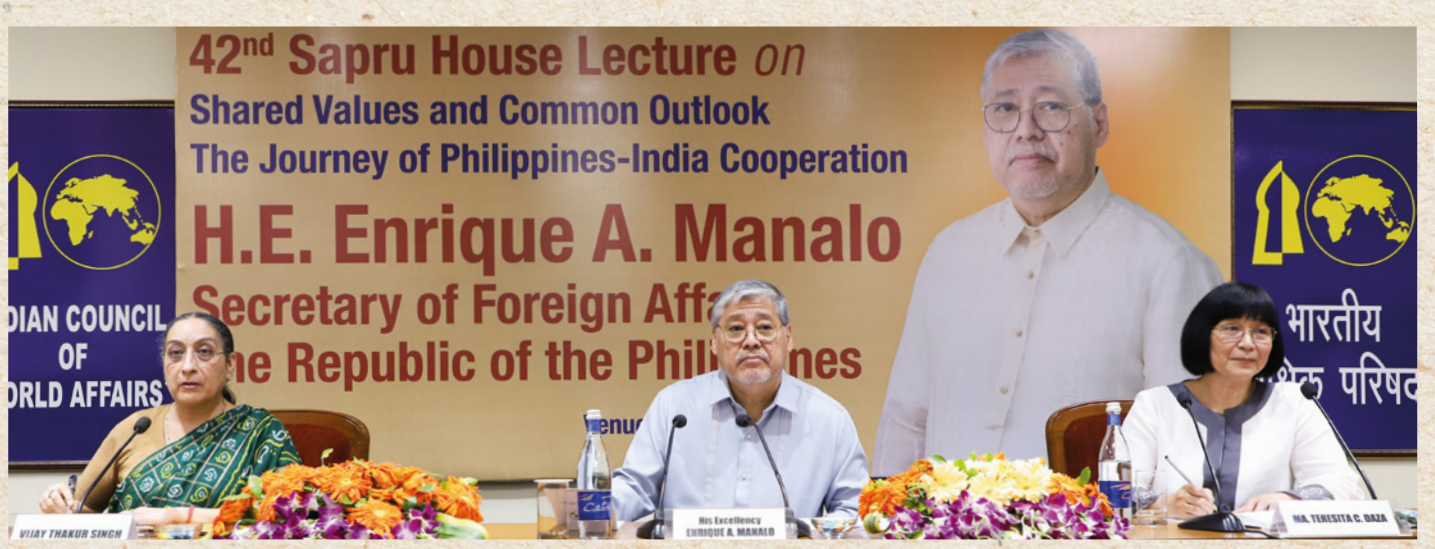

'साझे मूल्य और दृष्टिकोण - फिलीपींस-भारत सहयोग यात्रा' पर माननीय एनरिक ए मनालो, विदेश मंत्री, फिलीपींस गणराज्य द्वारा 42वां सप्रू हाउस व्याख्यान जिसका आयोजन 28 जून 2023 को आईसीडब्ल्यूए ने किया था।

11 अप्रैल 2023 को आईसीडब्ल्यूए ने सप्रू हाउस में "यूक्रेन में रूस का युद्ध:दुनिया को क्यों परवाह करनी चाहिए" पर यूक्रेन की पहली उप विदेश मंत्री सुश्री एमीन दझापारोवा द्वारा एक वार्ता का आयोजन किया।

राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने 12 जून 2023 को अबू धाबी, यूएई में अमीरात सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज एंड रिसर्च द्वारा आयोजित द्वितीय आईसीडब्ल्यूए-ईसीएसएसआर (यूएई) संवाद में आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए के नेतृत्व में एक आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल ने 22-23 मई 2023 को दुशांबे, ताजिकिस्तान में आयोजित XVIII शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) फोरम की बैठक में भाग लिया।

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने बांग्लादेश के ढाका में 12-13 मई 2023 को आयोजित छठे हिंद महासागर सम्मेलन में 'शांतिपूर्ण और सतत हिंद-प्रशांत के लिए गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटना' सत्र की अध्यक्षता की।

8वीं आईसीडब्ल्यूए -पीएसएआईडीएस (सऊदी अरब) वार्ता का आयोजन आईसीडब्ल्यूए द्वारा 26 अप्रैल 2023 को सप्रू हाउस, नई दिल्ली में किया गया था।

विषय-सूची

डॉ. दिमित्री पी. नोविकोव, अग्रणी शोधकर्ता, चीन और समकालीन एशिया संस्थान, रूसी विज्ञान अकादमी, मॉस्को, एससीओ रेजिडेंट स्कॉलर, 01 अप्रैल 2023 5

विश्व बैंक की दक्षिण एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय एकीकरण और सहभागिता की निदेशक सुश्री सेसिल फ्रुमन ने विश्व बैंक, दक्षिण एशिया की क्षेत्रीय समन्वयक सुश्री मंदाकिनी कौल के साथ आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की, 03 अप्रैल 2023 5

आईसीडब्ल्यूए-यूएसआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'सैन्य इतिहास के राजनयिक आयाम:द्वितीय विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस और फ्लैंडर्स में भारतीय सशस्त्र बल', 11 अप्रैल 2023 6

"यूक्रेन में रूस का युद्ध:दुनिया को क्यों परवाह करनी चाहिए" पर यूक्रेन की पहली उप विदेश मंत्री सुश्री एमीन दझापारोवा द्वारा वार्ता, 11 अप्रैल 2023 7

आईसीडब्ल्यूए ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ समझौता ज्ञापन किया, 12 अप्रैल 2023 8

आईसीडब्ल्यूए-कॉमेक्सी (मेक्सिको) "बहुपक्षीय संस्थान:सुधारों की आवश्यकता" पर वार्ता, 13 अप्रैल 2023 8

आईसीडब्ल्यूए ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के साथ समझौता-ज्ञापन किया, 17 अप्रैल 2023 9

वियतनाम की राजनयिक अकादमी के महानिदेशक प्रोफेसर गुयेन थी लान अन ने आईसीडब्ल्यूए की संयुक्त सचिव सुश्री नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 17 अप्रैल 2023 10

"उभरती भू-राजनीति और भू-आर्थिकी: शक्ति के नए भूगोल में भारत और कोलंबिया की भूमिका" पर प्रथम आईसीडब्ल्यूए-सीईएसआईकैम (कोलंबिया) वार्ता, 18 अप्रैल 2023 10

भारत में लिथुआनिया की राजदूत महामहिम सुश्री डायना मिकेविसिएन ने आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की, 19 अप्रैल 2023 12

कोरिया नेशनल डिप्लोमैटिक एकेडमी (केएनडीए) के प्रोफेसर वोंगी चो ने आईसीडब्ल्यूए अध्येता डॉ. संजीव कुमार और डॉ. तुनचिनमांग लैंगल के साथ बातचीत की, 19 अप्रैल 2023 12

भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त माननीय बैरी ओ'फैरेल एओ ने आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की 24 अप्रैल 2023 13

8वीं आईसीडब्ल्यूए-पीएसएआईडीएस (सऊदी अरब) वार्ता, 26 अप्रैल 2023 13

आईसीडब्ल्यूए के अध्येता डॉ. पुनीत गौड़ द्वारा "मध्य एशिया में बदलती कनेक्टिविटी गतिशीलता और भारत के बढ़ते जुड़ाव" पर सप्रू हाउस पेपर (एसएचपी) चर्चा, 27 अप्रैल 2023 15

डॉ. दिमित्री नोविकोव द्वारा प्रस्तुति, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी, हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, मॉस्को (रूस), आईसीडब्ल्यूए में एससीओ रेजिडेंट स्कॉलर, "रूस-एससीओ और क्षेत्रीय गतिशीलता" पर चर्चा, 27 अप्रैल 2023 15

श्री फरीदुन रहीमोव, फेलो शोधकर्ता, यूरोपीय और एशियाई समस्याओं के अध्ययन संस्थान, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, ताजिकिस्तान, एससीओ रेजिडेंट स्कॉलर, 01 मई 2023 16

सांगवू लिम, मंत्री और मिशन के उप प्रमुख, कोरिया गणराज्य के दूतावास ने सुश्री नूतन कपूर महावर, संयुक्त सचिव, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 09 मई 2023 16

नई दिल्ली में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के दूतावास के काउंसलर श्री सी वेई ने आईसीडब्ल्यूए की संयुक्त सचिव सुश्री नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 11 मई 2023 17

श्री टॉम मेनड्यू, सहायक सचिव ग्लोबल पार्टनर्स, रक्षा विभाग, ऑस्ट्रेलिया के साथ बातचीत, 11 मई 2023 17

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने छठे हिंद महासागर सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की, 12-13 मई 2023 17

"पाकिस्तान और अफगानिस्तान में उभरती स्थिति" पर पैनल चर्चा, 17 मई 2023 18

टॉमस स्टेपनीवस्की, अनुसंधान निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ सेंट्रल यूरोप, लुबलिन, पोलैंड के साथ बातचीत, 18 मई 2023 18

XVIII एससीओ फोरम की बैठक, 22-23 मई 2023 19

डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए ने आईडीएसए द्वारा आयोजित "भारत की G20 अध्यक्षता:भारत-अफ्रीका संबंधों को आगे बढ़ाना" पर अफ्रीका दिवस गोलमेज चर्चा में भाग लिया, 23 मई 2023 20

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप, रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी, महाराष्ट्र के छात्रों के साथ चर्चा, 24 मई 2023 ... 20

श्री नाओजाद होडीवाला, भारत के लिए कंट्री कोऑर्डिनेटर, आईसीएम फॉर माइग्रेशन पॉलिसी डेवलपमेंट, ब्रुसेल्स, बेल्जियम ने आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की, 25 मई 2023 21

एशिया प्रशांत में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) अध्ययन समूह की पहली बैठक "नियम आधारित व्यवस्था: अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के आधार पर नियमों और सिद्धांतों पर आम सहमति को मजबूत करना", 25-26 मई 2023 21

श्री दावलातोव कमरोनबेक संजरबेक ओ'गली, उज्बेकिस्तान गणराज्य (एमएफए) के विदेश मामलों के मंत्रालय के तहत विश्व अर्थव्यवस्था और कूटनीति विश्वविद्यालय में युवा शोधकर्ता, एससीओ रेजिडेंट स्कॉलर, 02 जून 2023 22

क्यूबा के प्रभारी राजदूत एबेल अबेल डेस्पेग्ने ने आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की, 6 जून 2023 22

"मध्य पूर्व में क्षेत्रीय और वैश्विक नायको की भूमिका: भारत और सिंगापुर से एक दृष्टिकोण" पर भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और मध्य पूर्व संस्थान, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एमईआई, एनयूएस) के बीच गोलमेज चर्चा, 08 जून 2023 23

आईसीडब्ल्यूए-डिप्लोमैटिक एकेडमी ऑफ वियतनाम समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह, 08 जून 2023 23

द्वितीय आईसीडब्ल्यूए-एमिरेट्स सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज एंड रिसर्च (यूएई) वार्ता, 12 जून 2023 24

आईएसआरएस और आईआईसीए, उजबेकिस्तान द्वारा "समरकंद प्रक्रिया:एससीओ के आधुनिकीकरण की संभावनाएं" पर अंतर्राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन, आयोजित की गई, 14 जून 2023 24

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात के छात्रों और संकाय के साथ बातचीत, 20 जून 2023 25

आईसीडब्ल्यूए की अध्येता डॉ. लक्ष्मी प्रिया द्वारा लिखित "छोटे खाड़ी राज्यों की बदलती विदेश नीति:कतर का एक केस स्टडी" पर सप्रू हाउस पेपर (एसएचपी) चर्चा, 21 जून 2023 26

द्वितीय भारत-मोरक्को वार्ता, 22 जून 2023 26

'अफगानिस्तान के प्रति ईरान की विदेश नीति' पर ईरान के विदेश मंत्री के सहायक और दक्षिण एशिया के महानिदेशक श्री सैयद रसूल मौसवी के साथ गोपनीय बातचीत, 23 जून 2023 27

फिलिस्तीन राष्ट्र के दूतावास के काउंसलर और सीडीए श्री अबेदलेराजेग, एमए अबुजाजर ने आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक से मुलाकात की, 26 जून 2023 28

"साझे मूल्य और दृष्टिकोण: फिलीपींस-भारत सहयोग की यात्रा" पर फिलीपींस गणराज्य के विदेश मंत्री महामहिम एनरिक ए मनालो द्वारा 42वां सप्रू हाउस व्याख्यान, 28 जून 2023 28

भारत में श्रीलंका के महामहिम उच्चायुक्त श्री मिलिंदा मोरागोडा ने आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की, 30 जून 2023 29

आउटरीच कार्यक्रम 30

आईसीडब्ल्यूए में शोध-प्रशिक्षु 31

प्रकाशन 32

इंडिया क्वार्टरली - संपादकीय 35

डॉ. दिमित्री पी. नोविकोव, अग्रणी शोधकर्ता, इंस्टीट्यूट ऑफ चाइना एंड कंटेम्परेरी एशिया, रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज, मॉस्को, एससीओ रेजिडेंट स्कॉलर, 1 अप्रैल 2023

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) (2022-2023) की भारत की अध्यक्षता के तहत, आईसीडब्ल्यूए ने दिसंबर 2022 से जून 2023 तक विदेश मंत्रालय के सहयोग से एससीओ रेजिडेंट रिसर्चर्स प्रोग्राम की मेजबानी की। सात महीनों में, प्रत्येक एससीओ सदस्य देश से एक नामित युवा शोधकर्ता (रूसी वर्णमाला क्रम के एससीओ अभ्यास के बाद:कजाकिस्तान-दिसंबर 2022, चीन-जनवरी 2023, किर्गिस्तान-फरवरी 2023, पाकिस्तान-मार्च 2023, रूस-अप्रैल 2023, ताजिकिस्तान-मई 2023 और उजबेकिस्तान-जून 2023) एक महीने की अवधि के लिए आईसीडब्ल्यूए के साथ रहे। इस कार्यक्रम में एससीओ स्कॉलर की बेंगलुरु, चेन्नई और पुडुचेरी की यात्रा का एक सप्ताह का मॉड्यूल शामिल था, जिसे आईसीडब्ल्यूए द्वारा अपने एमओयू पार्टनर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (एनआईएएस), बैंगलोर के सहयोग से समन्वित किया गया था। अप्रैल 2023 के महीने में, आईसीडब्ल्यूए ने रूस के एक एससीओ विद्वान की मेजबानी की:डॉ. दिमित्री पी नोविकोव, अग्रणी शोधकर्ता, इंस्टीट्यूट ऑफ चाइना एंड कंटेम्परेरी एशिया, रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज, मॉस्को। उन्होंने भारत के प्रमुख थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों के साथ बातचीत की, जिसमें जेएसआईए, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत;विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस), नई दिल्ली और एमपी-आईडीएसए, नई दिल्ली शामिल थे।

विश्व बैंक की दक्षिण एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय एकीकरण और सहभागिता की निदेशक सुश्री सेसिल फ्रुमन ने आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की, 3 अप्रैल 2023

विश्व बैंक की दक्षिण एशिया क्षेत्र की निदेशक सुश्री सेसिल फ्रुमन ने विश्व बैंक की दक्षिण एशिया की क्षेत्रीय समन्वयक सुश्री मंदाकिनी कौल के साथ 03 अप्रैल 2023 को सप्रू हाउस में आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की। चर्चा में दक्षिण एशियाई क्षेत्र में आर्थिक संपर्क और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा हुई।

आईसीडब्ल्यूए-यूएसआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'सैन्य इतिहास के राजनयिक आयाम: द्वितीय विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस और फ्लैंडर्स में भारतीय सशस्त्र बल', 11 अप्रैल 2023

भारत के सबसे पुराने सैन्य थिंक-टैंक, यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) और इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए), अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर भारत के सबसे पुराने थिंक-टैंक और राष्ट्रीय महत्व के संस्थान ने "सैन्य इतिहास के राजनयिक आयाम:द्वितीय विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस और फ्लैंडर्स में भारतीय सशस्त्र बल" पर एक संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह 11 अप्रैल 2023 को यूएसआई, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। यह सम्मेलन दो विश्व युद्धों के दौरान भारत की भूमिका को याद करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसने भारतीय सैनिकों की बहादुरी और व्यावसायिकता को याद किया, जिनके बिना मित्र देशों की जीत संभव नहीं थी। विश्व युद्धों ने उपनिवेशों और शाही शक्तियों के बीच गतिशीलता को अपरिवर्तनीय रूप से बदल दिया। उन्होंने दुनिया भर में सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक के साथ-साथ एक वाहन दोनों के रूप में कार्य किया। दो विश्व युद्धों में भारत की भूमिका ने वैश्विक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति स्थापित की। भारत जून 1945 में संयुक्त राष्ट्र का संस्थापक सदस्य बना। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, भारत ने 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त की और एक स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करना चुना जो औपनिवेशिक शासन और वैश्विक शांति के खिलाफ संघर्ष के लिए खड़ा था। भारत शांति रक्षा के लिए सबसे बड़े सैनिकों में से एक रहा है, और भारतीय सैनिक दूर-दराज के क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र के झंडे के नीचे सेवा करना जारी रखा।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारत, फ्रांस, बेल्जियम और यूनाइटेड किंगडम के विद्वानों को एक साथ लाया। फ्रांस में स्कूली बच्चों को अपने देश की आजादी में भारतीय सैनिकों के योगदान के बारे में पढ़ा रहे दो विद्वानों-श्री जेरोम जानक्ज़ुकिविक्ज़ और लुई टेसेडो ने भी भाग लिया। श्री जेरोम जान्ज़ुकीविक्ज़ वर्तमान में एक शिक्षक के रूप में काम करते हैं लाइसी आर्थर वरोक्स, टॉमब्लेन (पूर्वी फ्रांस)। उन्होंने और उनके छात्रों ने एक परियोजना पर काम किया जिसने 1917-1918 की सर्दियों में फ्रांस में भारतीय श्रम कोर की भूमिका का पता लगाया। चूंकि उनकी उपस्थिति स्थानीय लोगों के लिए काफी हद तक अज्ञात थी, हाई स्कूल के छात्रों ने भारतीय श्रम कोर द्वारा निभाई गई भूमिका को मनाने के लिए तीन पट्टिकाएं डिजाइन कीं और इन्हें कब्रिस्तान पर स्थापित किया जहां सैनिकों को दफनाया जाता है। दूसरे विद्वान श्री लुई टेसेडो फ्रांस के एमीन्स में एडवर्ड गैंड हाई स्कूल में एक शिक्षक थे। इस वर्ष, फ्रांसीसी सशस्त्र बलों के मंत्रालय के साथ साझेदारी में, उन्होंने एक प्रदर्शनी का आयोजन किया है, जो अन्य बातों के साथ-साथ प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों की भूमिका का दस्तावेजीकरण करती है।

इस सम्मेलन ने श्री जान्जुकीविक्ज और श्री टेसेदोउ को प्रथम विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस में भारतीय सैनिकों की वीरता और बलिदान को उजागर करने के अपने प्रयासों के बारे में बोलने का अवसर प्रदान किया। कुल मिलाकर, सम्मेलन ने विश्व युद्धों में भारतीय सैनिकों के योगदान के सैन्य और राजनयिक महत्व को मनाने का अवसर प्रदान किया और संबंधित देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने में योगदान दिया। इसने "बहुपक्षवाद में सुधार" के लिए भारत के प्रयासों को भी बढ़ाया।

"यूक्रेन में रूस का युद्ध: दुनिया को क्यों परवाह करनी चाहिए" पर यूक्रेन की पहली उप विदेश मंत्री सुश्री एमीन दझापारोवा द्वारा वार्ता, 11 अप्रैल 2023

आईसीडब्ल्यूए ने 11 अप्रैल 2023 को सप्रू हाउस में राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए की अध्यक्षता में यूक्रेन की पहली उप विदेश मंत्री सुश्री एमीन दझापारोवा द्वारा "यूक्रेन में रूस का युद्ध:दुनिया को क्यों परवाह करनी चाहिए" विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया। वार्ता के बाद प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व राजनयिकों, रणनीतिक समुदाय के सदस्यों, मीडिया प्रतिनिधियों और विद्वानों ने भाग लिया। आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने चर्चा की अध्यक्षता की। इसके बाद सुश्री एमीन डझापारोवा की एक प्रस्तुति दी गई, जिसका संचालन अध्यक्ष द्वारा प्रश्नोत्तर सत्र के साथ किया गया।

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन संकट ने पूरी दुनिया, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि यह संकट उभरती हुई विश्व व्यवस्था के लिए एक मोड़ के रूप में उभरा है और आईसीडब्ल्यूए यूक्रेन से संबंधित घटनाक्रमों और उनके परिणामों पर करीब से नजर रख रहा है। राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने रेखांकित किया कि यूक्रेन भारत के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार है, जिसके साथ उसके बहुआयामी सहयोग द्वारा चिह्नित गर्मजोशी भरे और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। उन्होंने भारत की स्थिति को स्पष्ट किया कि यह "युद्ध का युग" नहीं है और संघर्ष को हल करने के लिए "शत्रुता की समाप्ति", वार्ता और कूटनीति की तात्कालिकता की आवश्यकता है।

सुश्री एमीन डझापारोवा ने यूक्रेन की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ इसके संभावित प्रक्षेपवक्र के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति की 10 सूत्री शांति योजना में परमाणु सुरक्षा, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, कैदियों की रिहाई, सैनिकों की वापसी, क्षेत्रीय अखंडता और नरसंहार की रोकथाम आदि का आह्वान किया गया है। संकट को कम करने के लिए इसे लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने भारत-यूक्रेन द्विपक्षीय संबंधों की संभावनाओं के बारे में भी बात की और कहा कि वार्ता और कूटनीति के माध्यम से शांति प्रक्रिया शुरू करने में भारत को भूमिका निभानी है।

आईसीडब्ल्यूए ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ समझौता ज्ञापन किया, 12 अप्रैल 2023

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए), विदेश नीति और अंतर्राष्ट्रीय मामलों पर भारत का प्रमुख और सबसे पुराना थिंक टैंक और आईसीडब्ल्यूए अधिनियम, 2001 के तहत राष्ट्रीय महत्व का एक संस्थान;और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (फिक्की), भारत में वाणिज्य और उद्योग का शीर्ष चैंबर, एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से सहयोग करने के लिए सहमत हो गया है।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति और उद्योग में रुझानों के साथ उनके इंटरफेस पर जागरूकता और ज्ञान का विस्तार करना और ऐसे मुद्दों पर एक भारतीय कथा को बढ़ावा देना है। यह आईसीडब्ल्यूए-फिक्की के सहयोग के माध्यम से उन गतिविधियों में किया जाएगा जो अंतर्राष्ट्रीय मामलों, अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और भारतीय उद्योग और अर्थव्यवस्था से संबंधित मामलों की बेहतर समझ में योगदान करते हैं। समझौता ज्ञापन में इन विषयों पर द्विपक्षीय संगोष्ठियों, संगोष्ठियों और पैनल चर्चाओं के संयुक्त आयोजन की परिकल्पना की गई है। दोनों पक्ष अपने-अपने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच में एक-दूसरे की भागीदारी की सुविधा भी प्रदान करेंगे। समझौता ज्ञापन पर 12 अप्रैल 2023 को हस्ताक्षर किए गए थे।

आईसीडब्ल्यूए-कॉमेक्सी (मेक्सिको) संवाद "बहुपक्षीय संस्थान:सुधारों की आवश्यकता", 13 अप्रैल 2023

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और इसके समझौता ज्ञापन भागीदार, मैक्सिकन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (कॉमेक्सी), मैक्सिको ने 13 अप्रैल 2023 को 'बहुपक्षीय संस्थान:सुधारों की आवश्यकता' विषय पर अपनी उद्घाटन वार्ता आयोजित की। यह वार्ता ऑनलाइन आयोजित की गई थी और इसमें दोनों पक्षों के राजनयिकों, अधिकारियों और विद्वानों ने भाग लिया था।

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक विजय ठाकुर सिंह ने अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और मेक्सिको दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, आर्थिक जुड़ाव का विस्तार करने और अंतरिक्ष, डिजिटल प्रौद्योगिकी और फिनटेक जैसे सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने के लिए एक सचेत प्रयास किया है। एक नई विश्व व्यवस्था की दिशा में चल रहे वर्तमान भू-राजनीतिक बदलावों की पृष्ठभूमि में, बहुपक्षीय संस्थानों को कई चुनौतियों का सामना करने के लिए उत्तरदायी और प्रभावी होने की आवश्यकता है। जी20 की भारत की अध्यक्षता बहुपक्षवाद में सुधार सहित वैश्विक संकटों पर जी20 के सदस्य मेक्सिको के साथ सहयोग का अवसर भी प्रदान करती है।

कॉमेक्सी की उपाध्यक्ष प्रोफेसर सेलिया टोरो, मेक्सिको में भारत के राजदूत पंकज शर्मा और भारत में मेक्सिको के राजदूत फेडेरिको सालास ने कहा कि दोनों देशों ने बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार और समावेशी बहुपक्षीय व्यवस्था के निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित किया है। अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा, महामारी और चल रहे भू-राजनीतिक संकट सहित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के समक्ष हालिया चिंताओं ने बहुपक्षवाद को चुनौती दी है। उन्होंने वैश्विक व्यवस्था की वर्तमान वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए बहुपक्षीय संगठनों में सुधार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वैश्विक शासन के संस्थानों-संयुक्त राष्ट्र, ब्रेटन वुड्स संस्थानों और डब्ल्यूटीओ में बदलाव लाने के लिए आज एक बड़ी अनिवार्यता है-इन्हें न केवल अधिक प्रतिनिधिक बल्कि प्रभावी बनाने और अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक, वित्तीय और व्यापार प्रणालियों की सुसंगतता और स्थिरता को बढ़ाने के लिए।

बहुपक्षीय संस्थान:सुधारों की आवश्यकता पर पैनल चर्चा की अध्यक्षता राजदूत डिएगो गोमेज़ पिकरिंग ने की, जो न्यूक्लियस ऑफ स्टडी फॉर इंटरनेशनल सिस्टम्स, कॉमेक्सी के समन्वयक हैं। पैनल के वक्ताओं में संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी.एस. तिरुमूर्ति, संयुक्त अरब अमीरात में मेक्सिको के राजदूत लुइस अल्फांसो डी अल्बा, नई दिल्ली में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद की प्रोफेसर डॉ. निशा तनेजा और संयुक्त राष्ट्र के लिए अध्ययन की इकाई की समन्वयक राजदूत मारिया एंजेलिका आर्से कॉमेक्सी शामिल थीं। पैनलिस्टों ने बताया कि बहुपक्षवाद आज एक संकट का सामना कर रहा है जो दुनिया के अनुभव किए जा रहे भू-राजनीतिक बदलावों से बढ़ रहा है। पैनलिस्टों ने समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के केंद्र में बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार किया। उन्होंने इस मुद्दे पर अपने-अपने दृष्टिकोणों के बारे में विस्तार से बताया और सुधारित बहुपक्षवाद के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए अभिसरण खोजने की आवश्यकता पर जोर दिया। वैश्विक दक्षिण के अग्रदूतों के रूप में, भारत और मेक्सिको बहुपक्षीय सुधारों की दिशा में दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए सहयोग के विभिन्न अवसरों का पता लगा सकते हैं। यह नोट किया गया कि सीईएलएसी की मेक्सिको की अध्यक्षता और भारत की जी20 अध्यक्षता ने ऐसे अवसर प्रस्तुत किए।

आईसीडब्ल्यूए ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के साथ समझौता ज्ञापन किया, 17 अप्रैल 2023

भारतीय वैश्विक वैश्विक (आईसीडब्ल्यूए) और पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू), चंडीगढ़ ने अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान का विस्तार करने के अपने लक्ष्य की खोज में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की है। समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर सहमत विषयों पर संयुक्त अध्ययन और सेमिनार आयोजित करना होगा। आईसीडब्ल्यूए पीयू के छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय मामलों और विदेश नीति में उनकी क्षमता/कौशल का निर्माण करने के उद्देश्य से इंटर्नशिप की पेशकश करने पर विचार करेगा। आईसीडब्ल्यूए और पीयू संयुक्त रूप से ऐसे कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे जहां आईसीडब्ल्यूए के प्रतिनिधि/रिसर्च फेलो प्रतिभागियों को आईसीडब्ल्यूए के विदेश नीति जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

समझौता ज्ञापन से पंजाब में स्थित विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों और अन्य भागीदारों में हितधारकों के बौद्धिक विकास में योगदान करने की आशा है; संयुक्त प्रकाशन;और भारतीय विदेश नीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर जागरूकता पैदा करना। समझौता ज्ञापन पर 17 अप्रैल 2023 को हस्ताक्षर किए गए थे।

वियतनाम की राजनयिक अकादमी के महानिदेशक प्रोफेसर गुयेन थी लान अन ने आईसीडब्ल्यूए की संयुक्त सचिव सुश्री नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 17 अप्रैल 2023

प्रो. गुयेन थी लान अन्ह, महानिदेशक, ईस्ट सी इंस्टीट्यूट, वियतनाम डिप्लोमैटिक अकादमी ने 17 अप्रैल 2023 को आईसीडब्ल्यूए की संयुक्त सचिव सुश्री नूतन कपूर महावर से मुलाकात की। दक्षिण चीन सागर में हाल के घटनाक्रम और भारत-प्रशांत सुरक्षा पर इसके प्रभाव पर चर्चा हुई।

"उभरती भू-राजनीति और भू- आर्थिकी: शक्ति के नए भूगोल में भारत और कोलंबिया की भूमिका" पर पहली आईसीडब्ल्यूए-सीईएसआईकैम (कोलंबिया) वार्ता, 18 अप्रैल 2023

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और इसके समझौता ज्ञापन भागीदार सेंटर फॉर कंटेम्परेरी इंडिया एंड साउथ एशिया स्टडीज सर्विसेज (सीईएसआईकैम), वित्त, सरकार और अंतर्राष्ट्रीय संबंध संकाय, यूनिवर्सिड एक्सटर्नाडो डी कोलंबिया (यूईसी) ने 18 अप्रैल 2023 को 'विकसित भूराजनीति और भू-अर्थशास्त्र:शक्ति के नए भूगोल में भारत और कोलंबिया की भूमिका' विषय पर अपना उद्घाटन संवाद आयोजित किया। यह वार्ता ऑनलाइन आयोजित की गई थी और इसमें दोनों पक्षों के राजनयिकों, अधिकारियों और विद्वानों ने भाग लिया। मुख्य भाषण कोलंबिया के वाणिज्य, उद्योग और पर्यटन मंत्रालय के विदेश व्यापार राष्ट्र मंत्री श्री लुइस फेलिप क्विंटेरो द्वारा दिया गया था।

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने अपने उद्घाटन भाषण में अभूतपूर्व भू-राजनीतिक बदलावों और अनिश्चितता के बीच वर्तमान में दुनिया के सामने मौजूद कई चुनौतियों पर प्रकाश डाला। हिंद-प्रशांत को लेकर भारत के दृष्टिकोण के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने नौवहन की स्वतंत्रता और वैध वाणिज्य के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था को बनाए रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया, जो भारत-प्रशांत क्षेत्र की समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें भारत और कोलंबिया दोनों शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लिए कोलंबिया एक महत्वपूर्ण साझेदार देश है जिसका प्रशांत महासागर के साथ विशाल तट है।

अपने संबोधन में श्री लुइस फेलिप क्विंटेरो, उप विदेश व्यापार, वाणिज्य, उद्योग और पर्यटन मंत्रालय, कोलंबिया ने कोलंबिया की नई पुनऔद्योगीकरण नीति के मुख्य तत्वों को प्रस्तुत किया, जिसे एशिया के प्रति कोलंबिया की पहली आधिकारिक रणनीति के रूप में भी वर्णित किया गया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि नीति का केंद्रीय उद्देश्य निष्कर्षण-आधारित अर्थव्यवस्था से ज्ञान-आधारित, उत्पादक और टिकाऊ अर्थव्यवस्था में संक्रमण करना है। नीति के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में ऊर्जा संक्रमण, कृषि-पुन:औद्योगिकीकरण और खाद्य संप्रभुता, स्वास्थ्य, रक्षा आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कोलंबिया सतत ऊर्जा में निवेश की मांग कर रहा है और एशिया के पक्ष में अपने बाहरी आर्थिक संबंधों को फिर से संतुलित कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह वार्ता विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की कोलंबिया यात्रा की पूर्व संध्या पर उपयुक्त समय पर हो रही है, जो द्विपक्षीय संबंधों को और गति प्रदान करेगी।

श्री जी. वी. श्रीनिवास, अपर सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने संबोधन में भारत और कोलंबिया के बीच बढ़ती साझेदारी पर दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोलंबिया के ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने से दोनों देशों के बीच विशेष रूप से डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं और फार्मा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के कई अवसर प्रस्तुत हुए हैं। व्यापार और औद्योगिक संबंध भारत-कोलंबिया द्विपक्षीय संबंधों के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरे हैं। डॉ. गोंजालो ऑर्डोनेज़, डीन स्कूल ऑफ फाइनेंस, गवर्नमेंट एंड इंटरनेशनल रिलेशंस, यूईसी, बोगोटा ने रेखांकित किया कि कोलंबिया एशियाई देशों के साथ अध्ययन और अनुसंधान के अपने एजेंडे में सुधार कर रहा है, जहां भारत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोलंबिया अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे अपने पारंपरिक भागीदारों से दूर वैश्विक दक्षिण के अन्य देशों की ओर अपनी व्यापार नीति पर फिर से ध्यान केंद्रित कर रहा था और ऊर्जा संक्रमण, खाद्य उद्योग, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण में भारत के अनुभवों से सीख सकता था, जो क्षेत्र वर्तमान भू-राजनीति में भूमिका निभा रहे हैं।

'विकसित भू-राजनीति:शक्ति के नए भूगोल में भारत और कोलंबिया की भूमिका' विषय पर पैनल चर्चा की अध्यक्षता डॉ. केली अरेवालो फ्रेंको, रिसर्च प्रोफेसर, फैकल्टी ऑफ फाइनेंस, गवर्नमेंट एंड इंटरनेशनल रिलेशंस, यूईसी, बोगोटा ने की। पैनल में वक्ताओं में सीएसआईकैम के निदेशक और कोलंबिया के सर्वोच्च व्यापार परिषद के सलाहकार डॉ. सोराया कारो, नेशनल मैरीटाइम फाउंडेशन, नई दिल्ली के सीनियर फेलो कैप्टन सरबजीत परमार, सीआईआई, नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और नीति के पूर्व प्रमुख श्री प्रणव कुमार और भारत में कोलंबिया की पूर्व राजदूत मारियाना पाचेको शामिल थे। पैनलिस्टों ने भारत-प्रशांत महासागर पहल और आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन जैसी भारत की पहलों द्वारा दोनों देशों के बीच सहयोग के लिए प्रस्तुत अवसरों पर चर्चा की। हिंद-प्रशांत समुद्री अर्थव्यवस्था और

समुद्री कनेक्टिविटी में सहयोग का पता लगाने का अवसर प्रदान करता है। संभावित सहयोग के लिए पहचाने गए अन्य क्षेत्रों में अमेज़ॅन में पर्यावरणीय मुद्दे, जोखिम और व्यवधान को कम करके आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन का निर्माण, री-शोरिंग, विविधीकरण और स्थानीयकरण, स्वास्थ्य और दवा क्षेत्र और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कृषि क्षेत्र में सहयोग शामिल थे।

भारत में लिथुआनिया की राजदूत महामहिम सुश्री डायना मिकेविसिएन ने आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की, 19 अप्रैल 2023

भारत में लिथुआनिया की राजदूत महामहिम सुश्री डायना मिकेविकिएने ने 19 अप्रैल 2023 को आईसीडब्ल्यूए कीमहानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की। शैक्षणिक सहयोग, द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और आपसी हित के वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

वोंगी चो, केएनडीए ने आईसीडब्ल्यूए आरएफ डॉ. संजीव कुमार और डॉ. तुनचिनमांग लैंगल के साथ बातचीत, 19 अप्रैल 2023

आईसीडब्ल्यूए अनुसंधान संकाय ने 19 अप्रैल 2023 को आसियान-भारत अध्ययन केंद्र, कोरिया नेशनल डिप्लोमैटिक अकादमी (केएनडीए) के प्रमुख प्रोफेसर वोंगी चोए से मुलाकात की। उन्होंने डॉ. संजीव कुमार, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए और डॉ. टुनचिनमंग लंगेल, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए के साथ भारत-दक्षिण कोरिया द्विपक्षीय संबंधों और भारत-प्रशांत में वर्तमान गतिशीलता पर बातचीत की।

भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त माननीय बैरी ओ'फैरेल एओ ने आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की, 24 अप्रैल 2023

भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त माननीय बैरी ओ'फेरेल एओ ने 24 अप्रैल 2023 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की। आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

8वीं आईसीडब्ल्यूए-पीएसएआईडीएस (सऊदी अरब) वार्ता, 26 अप्रैल 2023

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने प्रिंस सऊद अल फैसल इंस्टीट्यूट ऑफ डिप्लोमैटिक स्टडीज (पीएसएआईडीएस) के सहयोग से 26 अप्रैल 2023 को सप्रू हाउस में अपनी 8वीं वार्ता का आयोजन किया। वार्ता में बदलती क्षेत्रीय गतिशीलता और वैश्विक भू-राजनीतिक प्रवाह की पृष्ठभूमि में द्विपक्षीय संबंधों के लिए अवसरों और चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया और विद्वानों, शिक्षाविदों और राजनयिकों की भागीदारी देखी गई।

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में कहा कि भारत और सऊदी अरब सक्रिय भागीदारी के साथ पारंपरिक साझेदार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दोनों देशों ने साझेदारी को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया है। भारत की 'लुक वेस्ट' नीति पश्चिम एशिया के अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों की उसकी बढ़ती इच्छा को दर्शाती है और, जैसा कि सऊदी अरब अपनी लुक ईस्ट नीति को लागू कर रहा है, भारत इस संबंध को और मजबूत करने के लिए तत्पर है।

उद्घाटन सत्र में पीएसएआईडीएस के एशियाई अध्ययन केंद्र के प्रमुख डॉ. अली अल करनी, पीएसएआईडीएस के निदेशक डॉ. अदेल अल ओमरानी, सऊदी अरब में भारत के राजदूत महामहिम डॉ. सुहेल एजाज खान और भारत में सऊदी अरब के राजदूत महामहिम श्री सालेह ईद अल हुसैनी ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने भारत-सऊदी अरब द्विपक्षीय संबंधों के बढ़ते प्रक्षेपवक्र का उल्लेख किया जो आचरण में सभ्यतागत थे। सऊदी अरब के विजन 2030 और भारत की अमृत काल पहलों में पूरकताएं थीं और सहयोग को और मजबूत करने के अवसर प्रस्तुत किए गए थे। सऊदी अरब और जीसीसी भारत के लिए बड़े बाजार हैं जबकि जीसीसी के लिए भारत सबसे बड़ा बाजार है। यह आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के लिए अपार अवसर प्रस्तुत करता है। सहयोग के लिए पहचाने गए क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और लचीला मूल्य श्रृंखला शामिल हैं।

वार्ता का पहला सत्र दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर केंद्रित था और इसकी अध्यक्षता राजदूत संजय सिंह ने की। वक्ताओं में डॉ. अली अल कार्नी (पीएसएआईडीएस), डॉ. लक्ष्मी प्रिया, रिसर्च फेलो आईसीडब्ल्यूए, डॉ. राजा अल मरजौकी, पीएसएआईडीएस में अर्थव्यवस्था के

प्रोफेसर और अर्थव्यवस्था मंत्रालय के लिए वरिष्ठ अर्थशास्त्री और श्री मनीष मोहन, वरिष्ठ निदेशक, भारतीय उद्योग परिसंघ, नई दिल्ली शामिल थे। प्रतिभागियों ने संतोष व्यक्त किया कि द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया है और उच्चतम स्तर पर नियमित राजनीतिक परामर्श होता है। कोविड के समय दोनों देशों के बीच सहयोग अनुकरणीय था। यह नोट किया गया कि सहयोग के एक क्षेत्र के रूप में रक्षा सहयोग को और अधिक तलाशने की आवश्यकता है। दोनों देशों को सांस्कृतिक आदान-प्रदान, लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने और सार्वजनिक कूटनीति बनाने की आवश्यकता है। सऊदी अरब में भारतीय प्रवासी एक आर्थिक संपत्ति है। समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को क्षेत्रीय विश्वास निर्माण उपाय के रूप में ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

दूसरे सत्र की अध्यक्षता राजदूत नवदीप सूरी ने की और इस क्षेत्र में वैश्विक नायको की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया। इस सत्र के वक्ताओं में पीएसएआईडीएस के सेंटर फॉर यूरोपियन स्टडीज के प्रमुख डॉ. असद अलशामलान और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर वेस्ट एशियन स्टडीज के अध्यक्ष प्रोफेसर पीआर कुमारस्वामी शामिल थे। तीसरे सत्र की अध्यक्षता पीएसएआईडीएस के सेंटर फॉर यूरोपियन स्टडीज के प्रमुख डॉ. असद अलशामलान ने की और क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलने पर ध्यान केंद्रित किया:भारत और सऊदी अरब के दृष्टिकोण। इस सत्र में आईसीडब्ल्यूए के सीनियर रिसर्च फेलो डॉ. एफ आर सिद्दीकी और पीएसएआईडीएस के सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज के प्रमुख डॉ. मंसूर अलमारजोकी ने भाषण दिया। दोनों सत्रों में चर्चा क्षेत्र और दुनिया में साझेदारी, गठबंधन और जवाबी गठबंधनों की राजनीति पर केंद्रित थी, जो भू-राजनीतिक दरारों को गहरा करने, अमेरिका-चीन रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता को तेज करने और यूक्रेन संघर्ष का सामना कर रही थी। पैनलिस्टों ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के अभ्यास और क्षेत्र और दुनिया में इसकी बढ़ती भूमिका का सकारात्मक मूल्यांकन किया। इस बात पर जोर दिया गया कि जी-20 के सदस्यों सहित भारत और सऊदी अरब दोनों ने प्रभावी बहुपक्षवाद की वकालत की और भारत और सऊदी अरब दोनों क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि के लिए काम करने वाले स्वाभाविक साझेदार हैं।

आईसीडब्ल्यूए और पीएसएआईडीएस ने 26 अप्रैल 2023 को 8वें आईसीडब्ल्यूए-पीएसएआईडीएस (सऊदी अरब) वार्ता के अवसर पर अपने द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण भी किया। नए सिरे से एमओयू पर आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह और पीएसएआईडीएस के निदेशक डॉ. अदेल अल ओमरानी की ओर से सेंटर फॉर एशियन स्टडीज, पीएसएआईडीएस के प्रमुख डॉ. अली अल करनी ने हस्ताक्षर किए।

आईसीडब्ल्यूए के रिसर्च फेलो डॉ. पुनीत गौड़ द्वारा "मध्य एशिया में बदलती कनेक्टिविटी गतिशीलता और भारत के बढ़ते जुड़ाव" पर सप्रू हाउस पेपर चर्चा, 27 अप्रैल 2023

आईसीडब्ल्यूए ने 27 अप्रैल 2023 को रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, जेएनयू के प्रोफेसर संजय पांडे की अध्यक्षता में "मध्य एशिया में बदलती कनेक्टिविटी गतिशीलता और भारत की बढ़ती भागीदारी" पर एक सप्रू हाउस पेपर चर्चा का आयोजन किया। चर्चा में, डॉ. संजीव कुमार, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए ने परिचयात्मक टिप्पणियाँ दी। डॉ. पुनित गौड़ ने सप्रू हाउस पेपर प्रस्तुत किया। डॉ. महेश रंजन देबता, सहायक प्रोफेसर, सेंटर फॉर इनर एशियन स्टडीज, जेएनयू और डॉ. अंगिरा सेन सरमा, सहायक प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय चर्चाकर्ता थे।

सप्रू हाउस शोध-पत्र का प्राथमिक उद्देश्य भू-राजनीतिक परिवर्तन और महत्वपूर्ण आर्थिक और राजनीतिक विकास के प्रकाश में मध्य एशिया में बदलती कनेक्टिविटी गतिशीलता का मूल्यांकन करना है। इसका उद्देश्य मध्य एशियाई देशों के साथ भारत की कनेक्टिविटी और इस क्षेत्र के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी का विश्लेषण करना है।

डॉ. दिमित्री नोविकोव द्वारा प्रस्तुति, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी, हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, मॉस्को, रूस, आईसीडब्ल्यूए में एससीओ रेजिडेंट स्कॉलर, "रूस-एससीओ और क्षेत्रीय गतिशीलता" पर चर्चा, 27 अप्रैल 2023

भारत के विदेश मंत्रालय के सहयोग से, आईसीडब्ल्यूए ने दिसंबर 2022 से जून 2023 तक एससीओ रेजिडेंट रिसर्चर्स प्रोग्राम की मेजबानी की। दिमित्री पावलोविच नोविकोव, उप प्रमुख, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस, नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी, हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, मॉस्को, और अग्रणी शोधकर्ता, इंस्टीट्यूट ऑफ चाइना एंड कंटेम्परेरी एशिया, रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज, मॉस्को, रूस, अप्रैल 2023 में परिषद ने मेजबानी की।

आईसीडब्ल्यूए के एससीओ अध्ययन केंद्र ने 27 अप्रैल 2023 को नई दिल्ली के सप्रू हाउस में "रूस-एससीओ और क्षेत्रीय गतिशीलता" पर रूस के एससीओ रेजिडेंट रिसर्चर डॉ. दिमित्री नोविकोव द्वारा एक प्रस्तुति का आयोजन किया। डॉ. राजन कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जेएनयू, नई दिल्ली;और डॉ. हिमानी पंत, रिसर्च फेलो, आईसीडब्ल्यूए, कार्यक्रम के दो चर्चाकर्ता थे। प्रस्तुति के बाद प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने रूस-एससीओ भागीदारी के विभिन्न पहलुओं, संगठन के सामने आने वाली चुनौतियों और विकसित होती क्षेत्रीय गतिशीलता के बीच इसके संभावित भविष्य के प्रक्षेपवक्र पर चर्चा की।

श्री फ़रीदुन रहीमोव, इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ़ यूरोपीयन एंड एशियन प्रोब्क्लम्स, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, ताजिकिस्तान में फेलो शोधकर्ता, एससीओ रेजिडेंट स्कॉलर, 1 मई 2023

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) (2022-2023) की भारत की अध्यक्षता के तहत, आईसीडब्ल्यूए ने दिसंबर 2022 से जून 2023 तक विदेश मंत्रालय के सहयोग से एससीओ रेजिडेंट रिसर्चर्स प्रोग्राम की मेजबानी की। मई 2023 के महीने में, आईसीडब्ल्यूए ने ताजिकिस्तान से:एक एससीओ विद्वान श्री फरीदुन रहीमोव, इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ़ यूरोपीयन एंड एशियन प्रोब्क्लम्स, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, ताजिकिस्तान में फेलो शोधकर्ता की मेजबानी की। उन्होंने भारत के प्रमुख थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों के साथ बातचीत की, जिसमें जेएसआईए, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत;विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस), नई दिल्ली और एमपी-आईडीएसए, नई दिल्ली थे। इस कार्यक्रम में एससीओ स्कॉलर की बैंगलोर, चेन्नई और पुडुचेरी की यात्रा का एक सप्ताह का मॉड्यूल शामिल था, जिसे आईसीडब्ल्यूए द्वारा अपने एमओयू पार्टनर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (एनआईएएस), बैंगलोर के सहयोग से समन्वित किया गया था।

कोरिया गणराज्य के दूतावास में मंत्री और मिशन के उप प्रमुख संगवू लिम ने आईसीडब्ल्यूए की संयुक्त सचिव सुश्री नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 9 मई 2023

कोरिया गणराज्य के दूतावास के मंत्री और मिशन के उप प्रमुख सांगवू लिम ने सहयोग बढ़ाने और आपसी हित के अन्य क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए 09 मई 2023 को आईसीडब्ल्यूए की संयुक्त सचिव सुश्री नूतन कपूर महावर से मुलाकात की।

नई दिल्ली में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के दूतावास के काउंसलर श्री सी वेई ने आईसीडब्ल्यूए की संयुक्त सचिव सुश्री नूतन कपूर महावर से मुलाकात की, 11 मई 2023

नई दिल्ली में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के दूतावास के काउंसलर श्री सी वेई ने थिंक टैंक गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए 11 मई 2023 को सप्रू हाउस में आईसीडब्ल्यूए की संयुक्त सचिव सुश्री नूतन कपूर महावर से मुलाकात की।

श्री टॉम मेनड्यू, सहायक सचिव ग्लोबल पार्टनर्स, रक्षा विभाग, ऑस्ट्रेलिया के साथ बातचीत, 11 मई 2023

आईसीडब्ल्यूए ने 11 मई 2023 को सप्रू हाउस में ऑस्ट्रेलिया के रक्षा विभाग के सहायक सचिव ग्लोबल पार्टनर्स श्री टॉम मेनड्यू के साथ एक बातचीत का आयोजन किया। बातचीत की अध्यक्षता राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने की। ऑस्ट्रेलिया की हालिया रक्षा रणनीतिक समीक्षा, इंडो-पैसिफिक रणनीतिक अभिसरण और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने छठे हिंद महासागर सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की, 12-13 मई 2023

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने बांग्लादेश के ढाका में 12-13 मई 2023 को आयोजित छठे हिंद महासागर सम्मेलन में 'शांतिपूर्ण और सतत हिंद-प्रशांत के लिए गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटना' सत्र की अध्यक्षता की।

"पाकिस्तान और अफगानिस्तान में उभरती स्थिति" पर पैनल चर्चा, 17 मई 2023

9 मई 2023 को इमरान खान की गिरफ्तारी की घटना से पाकिस्तान के भीतर चल रही राजनीतिक समस्याओं पर चर्चा हुई, जिसके कारण देश के भीतर संस्थानों के बीच स्पष्ट रेखाएं खींची गईं, जैसे कि एक तरफ सैन्य प्रतिष्ठान, संघीय सरकार और नेशनल असेंबली और दूसरी तरफ इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और न्यायपालिका।

आईसीडब्ल्यूए ने 17 मई 2023 को सप्रू हाउस में महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, राजदूत विजय ठाकुर सिंह की अध्यक्षता में "पाकिस्तान और अफगानिस्तान में उभरती स्थिति" पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। प्रो. अजय दर्शन बेहरा, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय;विशाल चंद्रा, एमपी-आईडीएसए;प्रोफेसर अमिताभ मट्टू, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और अनंत मिश्रा, सीइएनजेओडब्ल्यूएस ने प्रस्तुतियाँ दीं। इंडिया नैरेटिव के एसोसिएट एडिटर अतुल अनेजा चर्चाकर्ता थे।

टॉमस स्टेपनीवस्की, अनुसंधान निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ सेंट्रल यूरोप, लुबलिन, पोलैंड के साथ बातचीत, 18 मई 2023

प्रो. (डॉ.) टोमाज़ स्टाप्रिविस्की, अनुसंधान निदेशक, सेंट्रल यूरोप संस्थान, ल्यूबेल्स्की और पैट्रिजा वोज़्नियाक, राजनीतिक अधिकारी, नई दिल्ली में पोलैंड गणराज्य के दूतावास ने 18 मई 2023 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की और वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय स्थिति पर दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान किया।

XVIII एससीओ फोरम की बैठक, 22-23 मई 2023

आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल ने 22-23 मई 2023 को दुशांबे, ताजिकिस्तान में आयोजित XVIII एससीओ फोरम बैठक में भाग लिया। फोरम की मेजबानी ताजिकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रपति के तहत रणनीतिक अनुसंधान केंद्र द्वारा की गई थी। आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने किया। प्रोफेसर संजय कुमार पांडे, सेंटर फॉर रशियन एंड सेंट्रल एशियन स्टडीज, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जेएनयू, नई दिल्ली और डॉ. अतहर जफर, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे।

एससीओ फोरम एससीओ सदस्य देशों के थिंक टैंक का एक संघ है और इसकी सालाना बैठक होती है। भारत 2017 में एससीओ का सदस्य बन गया, और आईसीडब्ल्यूए को फोरम में भारत से प्रतिनिधि थिंक टैंक के रूप में नामित किया गया। XVIII फोरम की बैठक में सदस्य देशों के एससीओ अनुसंधान केंद्रों के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों, पर्यवेक्षकों और संवाद भागीदारों ने भाग लिया। एससीओ महासचिव झांग मिंग ने फोरम को ऑनलाइन संबोधित किया।

उद्घाटन और समापन सत्रों के अलावा, फोरम में चार व्यावसायिक सत्र थे। सत्रों के विषय थे:"नई वैश्विक वास्तविकताओं में एससीओ:वर्तमान स्थिति, 'एससीओ परिवार' की क्षमता, संगठन के विकास की संभावनाएं";"बहुध्रुवीय दुनिया के गठन के संदर्भ में एससीओ के रणनीतिक दिशानिर्देश";"बदलते रूपों, प्रकृति, भूगोल और पारंपरिक और गैर-पारंपरिक चुनौतियों और खतरों के पैमाने के सामने एससीओ सुरक्षा नीति";"नई विश्व व्यवस्था में एससीओ राज्यों के सहयोग में नए रुझान:समावेशी आर्थिक, अभिनव, तकनीकी और मानवीय विकास के लिए संभावनाएं"।

प्रतिभागियों ने ईरान और बाद में बेलारूस को सदस्य के रूप में शामिल करने के साथ एससीओ के विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने अफगानिस्तान की स्थिति पर चिंता व्यक्त की और यह उल्लेख किया गया कि एससीओ देश अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों द्वारा उत्पन्न खतरों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आतंकवाद, अलगाववाद, उग्रवाद और मादक पदार्थों की तस्करी का मुकाबला करने में अधिक सहयोग का आग्रह किया। आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया, विशेष रूप से 'हरित' अर्थव्यवस्था और 'हरित' ऊर्जा के विकास जैसे क्षेत्रों में। पर्यावरण संरक्षण के लिए सहयोग को भी रेखांकित किया गया। सांस्कृतिक आदान-प्रदान, मानवीय सहयोग, विज्ञान और शिक्षा में सहयोग पर भी चर्चा की गई।

उजबेकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रपति के तहत रणनीतिक और अंतर-क्षेत्रीय अध्ययन संस्थान ने फोरम की अध्यक्षता संभाली और यह 2024 में उजबेकिस्तान में XIX बैठक की मेजबानी करेगा।

डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए ने एमपी-आईडीएसए द्वारा आयोजित "भारत की जी-20 अध्यक्षता:भारत-अफ्रीका संबंधों को आगे बढ़ाना" पर अफ्रीका दिवस गोलमेज चर्चा में भाग लिया, 23 मई 2023

डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए ने 23 मई 2023 को एमपी-आईडीएसए, भारत द्वारा आयोजित "भारत की जी20 अध्यक्षता भारत-अफ्रीका संबंधों को आगे बढ़ाना" विषय पर अफ्रीका दिवस गोलमेज चर्चा में भाग लिया। उन्होंने इसकी अफ्रीका नीति और भारत की जी20 अध्यक्षता के महत्व पर बात की।

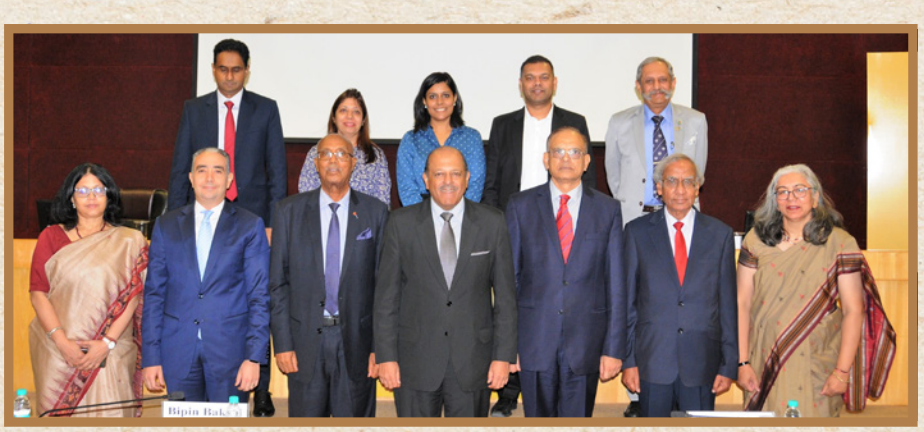

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप, रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी, महाराष्ट्र के छात्रों के साथ बातचीत, 24 मई 2023

24 मई 2023 को सप्रू हाउस में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप, ठाणे, महाराष्ट्र के छात्रों के साथ भारतीय विदेश नीति पर एक बातचीत आयोजित की गई। छात्रों को आईसीडब्ल्यूए की गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी गई।

श्री नाओजाद होडीवाला, भारत के कंट्री कोऑर्डिनेटर, इंटरनेशनल सेंटर फॉर माइग्रेशन पॉलिसी डेवलपमेंट (आईसीएमपीडी), ब्रुसेल्स, बेल्जियम ने आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की, 25 मई 2023

श्री नाओज़ाद होदीवाला, भारत के लिए कंट्री कोऑर्डिनेटर, इंटरनेशनल सेंटर फॉर माइग्रेशन पॉलिसी डेवलपमेंट, ब्रुसेल्स, बेल्जियम ने 25 मई 2023 को सप्रू हाउस में राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की और संबंधित मुद्दों पर आईसीडब्ल्यूए और आईसीएमपीडी के बीच अंतर्राष्ट्रीय प्रवास और गतिशीलता के लिए सहयोग और साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा की।

एशिया प्रशांत में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) अध्ययन समूह की पहली बैठक "नियम आधारित व्यवस्था: अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के आधार पर नियमों और सिद्धांतों पर आम सहमति को मजबूत करना", 25-26 मई 2023

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के आधार पर नियमों और सिद्धांतों पर आम सहमति को मजबूत करने पर एशिया प्रशांत में सुरक्षा सहयोग परिषद (सीएससीएपी) अध्ययन समूह की पहली व्यक्तिगत बैठक 25-26 मई 2023 को हनोई, वियतनाम में आयोजित की गई थी।

सीएससीएपी इंडिया की ओर से इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ के प्रोफेसर, उपाध्यक्ष और विदेश मंत्रालय के पूर्व कानूनी सलाहकार डॉ. मणिमुथु गांधी ने बैठक में भाग लिया। भारत के अलावा, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान, मलेशिया, न्यूजीलैंड, चीन, फिलीपींस, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, वियतनाम और अमेरिका जैसे सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। विशेषज्ञों ने निम्नलिखित उप-विषयों पर विचार-विमर्श किया:राजनीतिक/सुरक्षा व्यवस्था;आर्थिक व्यवस्था;और अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था का विकास। ग्लोबल साउथ की भूमिका के आदेश को आकार देने में पर भी चर्चा की गई।

श्री दावलातोव कमरोनबेक संजरबेक ओ'गली, उज्बेकिस्तान गणराज्य (एमएफए) के विदेश मंत्रालय के तहत विश्व अर्थव्यवस्था और कूटनीति विश्वविद्यालय में युवा शोधकर्ता, एससीओ रेजिडेंट स्कॉलर, 2 जून 2023

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) (2022-2023) की भारत की अध्यक्षता के तहत, आईसीडब्ल्यूए ने दिसंबर 2022 से जून 2023 तक विदेश मंत्रालय के सहयोग से एससीओ रेजिडेंट रिसर्चर्स प्रोग्राम की मेजबानी की। आईसीडब्ल्यूए ने जून 2023 में, उजबेकिस्तान के एक एससीओ विद्वान:उज्बेकिस्तान गणराज्य (एमएफए) के विदेश मंत्रालय के तहत विश्व अर्थव्यवस्था और कूटनीति विश्वविद्यालय में युवा शोधकर्ता श्री दावलातोव कमरोनबेक संजरबेक ओ'गली की मेजबानी की। उन्होंने विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस), नई दिल्ली और एमपी-आईडीएसए, नई

दिल्ली सहित भारत के प्रमुख थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों के साथ बातचीत की। इस कार्यक्रम में एससीओ स्कॉलर की बेंगलुरु, चेन्नई और पुडुचेरी की यात्रा का एक सप्ताह का मॉड्यूल शामिल था, जिसे आईसीडब्ल्यूए द्वारा अपने एमओयू पार्टनर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (एनआईएएस), बैंगलोर के सहयोग से समन्वित किया गया था।

क्यूबा के प्रभारी राजदूत एबेल अबाले डेस्पेग्ने ने आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की, 6 जून 2023

क्यूबा में भारतीय दूतावास के उपराजदूत महामहिम एबेल एबेल डेस्पेन ने 06 जून 2023 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने आपसी हित के द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

"मध्य पूर्व में क्षेत्रीय और वैश्विक नायको की भूमिका: भारत और सिंगापुर से एक दृश्य" पर भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और मध्य पूर्व संस्थान, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एमईआई, एनयूएस) के बीच गोलमेज चर्चा, 8 जून 2023

मध्य पूर्व संस्थान-नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर और आईसीडब्ल्यूए ने 8 जून 2023 को एक बंद दरवाजे की आभासी गोलमेज चर्चा आयोजित की। गोलमेज चर्चा का विषय "मध्य पूर्व में क्षेत्रीय और वैश्विक नायको की भूमिका:भारत और सिंगापुर से एक दृश्य" था। उद्घाटन भाषण एमईआई प्रतिनिधिमंडल की लीड सुश्री मिशेल टियो, कार्यकारी निदेशक, एमईआई और आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने दिया। गोलमेज चर्चा में भाग लेने वाले डॉ. जीन-लूप समान, एसआरएफ, एमईआई (मध्य पूर्व में अमेरिका, यूरोपीय संघ और नाटो); डॉ. स्तुति बनर्जी, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए (मध्य पूर्व में अमेरिका की भूमिका); राजदूत गियोर्गी बुस्ज़टिन, वीआरपी, एमईआई (मध्य पूर्व में रूस और मध्य एशिया); डॉ. हिमानी पंत, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए (मध्य पूर्व में रूस की भूमिका); (डॉ. आसिफ शुजा, एसआरएफ, एमईआई (एमई की गैर-अरब क्षेत्रीय शक्तियां-ईरान, तुर्की और इज़राइल); डॉ. एफ. आर. सिद्दीकी, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए (मध्य पूर्व में चीन, तुर्की और इजरायल की भूमिका); क्लेमेंस चाय, आरएफ, एमईआई (एमई-सऊदी अरब और यूएई की अरब क्षेत्रीय शक्तियां); डॉ. लक्ष्मी प्रिया, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए (मध्य पूर्व में खाड़ी देशों की भूमिका-ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात) थे।

आईसीडब्ल्यूए-डिप्लोमैटिक एकेडमी ऑफ वियतनाम एमओयू हस्ताक्षर समारोह, 8 जून 2023

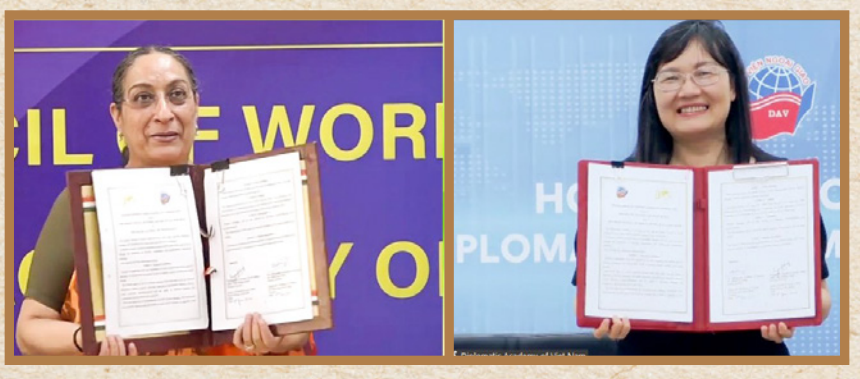

आईसीडब्ल्यूए ने संस्थागत संबंध स्थापित करने और पारस्परिक हित के क्षेत्रों में अनुसंधान और प्रकाशनों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए वियतनाम की डिप्लोमैटिक अकादमी, हनोई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन पर 8 जून 2023 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए और डॉ. फाम लैन डंग, कार्यवाहक अध्यक्ष डीएवी, हनोई द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

आईसीडब्ल्यूए-एमिरेट्स सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज एंड रिसर्च (यूएई) संवाद, 12 जून 2023

द्वितीय आईसीडब्ल्यूए-ईसीएसएसआर (द अमीरात सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज एंड रिसर्च, यूएई) वार्ता 12 जून 2023 को अबू धाबी में आयोजित की गई थी और वार्ता में भारत और यूएई की विदेश नीति पर केंद्रित तीन सत्र थे। पहला सत्र बदलती वैश्विक और क्षेत्रीय गतिशीलता:भारत और संयुक्त अरब अमीरात के परिप्रेक्ष्य;दूसरा सत्र राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग को गहरा करने पर केंद्रित था:भारत-यूएई और तीसरा सत्र ऊर्जा संक्रमण और द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाओं पर केंद्रित था। आईसीडब्ल्यूए के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने किया और प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में राजदूत अनिल त्रिगुणायत; डॉ. भूपेंद्र सिंह, प्रधान ऊर्जा सुरक्षा, सीआईआई; आईसीडब्ल्यूए के एसआरएफ डॉ. एफ आर सिद्दीकी और आईसीडब्ल्यूए की आरएफ डॉ. लक्ष्मी प्रिया शामिल थे। ईसीएसएसआर प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ईसीएसएसआर के महानिदेशक महामहिम डॉ. सुल्तान मोहम्मद अल नुआइमी ने किया और ईसीएसएसआर से भाग लेने वाले अन्य सदस्यों में दुबई पब्लिक पॉलिसी रिसर्च सेंटर "बी'हुथ" के महानिदेशक श्री मोहम्मद बहारून थे; श्री अब्दुल्ला अल शात्री, शोधकर्ता, ईसीएसएसआर; श्री अब्दुलरहमान अल हदादी, शोधकर्ता, ईसीएसएसआर;ईसीएसएसआर के सलाहकार डॉ. खालिद फहमी और ईसीएसएसआर के सलाहकार डॉ. मोहम्मद द्राबेलसी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। यह वार्ता भू-राजनीतिक दरारों, राजनीतिक और सुरक्षा गतिशीलता और ऊर्जा संक्रमण की पृष्ठभूमि में बदलती वैश्विक और क्षेत्रीय गतिशीलता पर केंद्रित थी। आपसी विश्वास और सम्मान पर आधारित बढ़ती भारत-यूएई साझेदारी और पश्चिम एशियाई क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका पर चर्चा हुई।

आईएसआरएस और आईआईसीए, उजबेकिस्तान द्वारा "समरकंद प्रक्रिया:एससीओ के आधुनिकीकरण की संभावनाएं" पर अंतर्राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया, 14 जून 2023

उजबेकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने उज्बेकिस्तान गणराज्य (आईएसआरएस), ताशकंद के राष्ट्रपति के तहत रणनीतिक और अंतर-क्षेत्रीय अध्ययन संस्थान और ताशकंद के अंतर्राष्ट्रीय मध्य एशिया संस्थान (आईआईसीए) के सहयोग से 14 जून 2023 को वर्चुअल प्रारूप में एक अंतर्राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया। गोलमेज सम्मेलन "समरकंद प्रक्रिया:एससीओ के आधुनिकीकरण की संभावनाएं" विषय पर आयोजित किया गया।

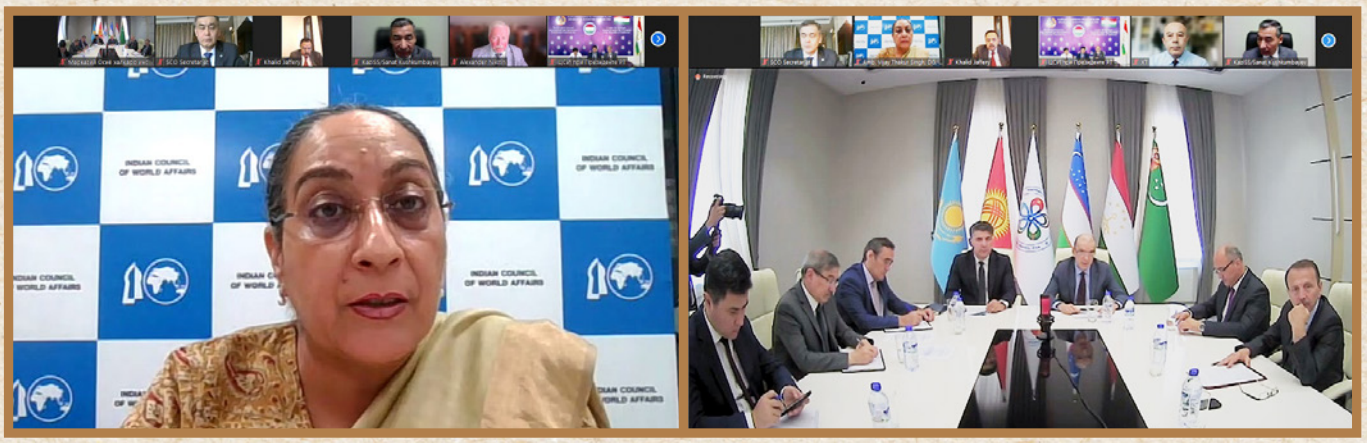

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने 'एससीओ गतिविधियों का नई भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक वास्तविकताओं के प्रति अनुकूलन' शीर्षक सत्र में गोलमेज सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एससीओ बहुपक्षीय जुड़ाव के एक प्रमुख मंच के रूप में उदीयमान है, जो यूरेशिया में राज्यों, अर्थव्यवस्थाओं, संस्थानों और लोगों के बीच राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग की हिमाकत करता है। उन्होंने चुनौतियों से निपटने के लिए व्यापक सुरक्षा और आर्थिक सहयोग पर जोर दिया।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात के छात्रों और संकाय के साथ संवाद, 20 जून 2023

राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने 20 जून 2023 को नीति निर्माण और भारतीय विदेश नीति में आईसीडब्ल्यूए की भूमिका पर डॉ. एल. वेंकटेश्वर, निदेशक, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल कोऑपरेशन, आरआरयू के नेतृत्व में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात के छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ संवाद किया।

"छोटे खाड़ी राज्यों की बदलती विदेश नीति:कतर का एक मामला अध्ययन" पर सप्रू हाउस शोध-पत्र चर्चा, लेखक-डॉ. लक्ष्मी प्रिया, अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, 21 जून 2023

भारतीय वैश्विक परिषद् की अध्येता डॉ. लक्ष्मी प्रिया द्वारा लिखित "छोटे खाड़ी राज्यों की बदलती विदेश नीति: कतर का एक मामला अध्ययन" शीर्षक वाले शोध-पत्र पर सप्रू हाउस शोध-पत्र चर्चा 21 जून 2023 को आयोजित की गई थी। चर्चा की अध्यक्षता राजदूत संजय सिंह ने की और शोध-पत्र के लिए चर्चा करने वालों में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, सेंटर फॉर वेस्ट एशियन स्टडीज के गल्फ स्टडीज प्रोग्राम के पूर्व निदेशक प्रोफेसर गुलशन डाइटल और जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर मोहम्मद बदरुल आलम शामिल थे।

चर्चा कतर जैसे छोटे राष्ट्र की विदेश नीति के व्यवहार पर केंद्रित थी। जहां तक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का संबंध है, भारत अपनी बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कतर पर निर्भर है। कतर क्षेत्रीय संघर्षों में मध्यस्थता और पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के माध्यम से अपनी सॉफ्ट पावर को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह सक्रिय रूप से खेल कूटनीति में संलग्न है जैसा कि फीफा विश्व कप 2022 की मेजबानी से स्पष्ट है।

द्वितीय भारत-मोरक्को वार्ता, 22 जून 2023

आईसीडब्ल्यूए ने 22 जून 2023 को सप्रू हाउस में द्वितीय भारत-मोरक्को वार्ता का आयोजन किया। आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह और आईआरईएस प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख राजदूत मोहम्मद बेलमाही ने दोनों प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया। वह। राजदूत राजेश वैष्णव, मोरक्को साम्राज्य में भारत के राजदूत, रबात और महामहिम। राजदूत श्री मोहम्मद मलिकी भारत में मोरक्को साम्राज्य के ने भी उद्घाटन सत्र में टिप्पणी दी।

संवाद में, 'वैश्विक और क्षेत्रीय भू-राजनीति का विकास-भारत और मोरक्को के लिए परिप्रेक्ष्य' विषय पर सत्र की अध्यक्षता इथियोपिया में भारत के पूर्व राजदूत और अफ्रीकी संघ में भारत के प्रतिनिधि राजदूत गुरजीत सिंह ने की। डॉ. मोहम्मद अमीन बहौ, वरिष्ठ शोधकर्ता, आईआरईएस और डॉ. फज्जुर रहमान सिद्दीकी, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए वक्ता थे।

इथियोपिया में भारत के एफएमआर राजदूत और एयू में भारत के प्रतिनिधि राजदूत गुरजीत सिंह ने "क्षेत्रीय और बहुपक्षीय ढांचे में भारत-मोरक्को जुड़ाव" पर सत्र की अध्यक्षता की। प्रो. अब्देललतीफ खट्टाबी, वरिष्ठ फेलो, आईआरईएस;डॉ. रुचिता बेरी, सलाहकार, एमपी-आईडीएसए और प्रोफेसर जाफ़र हेइकेल, वरिष्ठ फेलो आईआरईएस वक्ता थे।

भारत-मोरक्को:राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाना विषय पर सत्र की अध्यक्षता डॉ. मोहम्मद अमीन बहौ, आईआरईएस ने की। मोरक्को साम्राज्य में भारत के पूर्व राजदूत राजदूत खेया भट्टाचार्य और आईआरईएस के वरिष्ठ फेलो राजदूत मोहम्मद बेलमाही वक्ता थे।

आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह और आईआरईएस के वरिष्ठ फेलो राजदूत मोहम्मद बेलमाही ने वार्ता के समापन सत्र में टिप्पणी की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने के लिए नए उत्साह के साथ मिलकर काम करने के महत्व को स्वीकार किया।

'अफगानिस्तान के प्रति ईरान की विदेश नीति' पर ईरान के विदेश मंत्री के सहायक और दक्षिण एशिया के महानिदेशक, श्री सैयद रसूल मौसवी के साथ गोपनीय संवाद, 23 जून 2023

भारतीय वैश्विक परिषद ने 23 जून 2023 को सप्रू हाउस, नई दिल्ली में विदेश मंत्री के सहायक और ईरान के विदेश मंत्रालय के दक्षिण एशिया के महानिदेशक श्री सैयद रसूल मौसवी के साथ गोपनीय संवाद का आयोजन किया। संवाद का शीर्षक "अफगानिस्तान के प्रति ईरान की विदेश नीति" था। भारत में ईरान के राजदूत श्री इराज इलाही ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की और प्रतिभागियों में राजदूत विवेक काटजू, राजदूत संजय सिंह, राजदूत अमर सिन्हा, विचार मंच के सदस्य, शोधकर्ता और शिक्षाविद सहित भारतीय राजनयिक कोर के सदस्य शामिल थे।

फिलिस्तीन राष्ट्र के दूतावास के काउंसलर और सीडीए श्री अबेदलेराजेग एमए अबुजाज़र ने आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक से भेंट की, 26 जून 2023

फिलिस्तीन राष्ट्र के दूतावास के काउंसलर और सीडीए श्री अबेदलेरजेग एमए अबुजाजर ने 26 जून 2023 को आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से भेंट की और पश्चिम एशिया क्षेत्र में वर्तमान राजनीतिक विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

"साझे मूल्य और दृष्टिकोण: फिलीपींस-भारत सहयोग की यात्रा" पर फिलीपींस गणराज्य के विदेश मंत्री महामहिम एनरिक ए मनालो द्वारा 42वां सप्रू हाउस व्याख्यान, 28 जून 2023

आईसीडब्ल्यूए ने माननीय एनरिक ए मनालो, विदेश मंत्री, फिलीपींस गणराज्य द्वारा 28 जून 2023 को सप्रू हाउस में 'साझे मूल्य और दृष्टिकोण-फिलीपींस-भारत सहयोग की यात्रा' पर 42वें सप्रू हाउस व्याख्यान का आयोजन किया। सचिव मनालो ने फिलीपींस और भारत के ऐतिहासिक संबंधों, लोकतांत्रिक मूल्यों और गहराई से जुड़े हुए विश्व में विकसित होती भूमिकाओं पर चर्चा की। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग और वैश्विक चुनौतियों से निपटने वाली परिवर्तनकारी साझेदारी की संभावनाओं पर अंतर्दृष्टि प्रदान की। राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने उद्घाटन भाषण दिया। राजदूत मा. टेरेसिटा सी. डाज़ा, महानिदेशक, एफएसआई और भारत और नेपाल में फिलीपींस के पूर्व राजदूत ने भी टिप्पणी दी।

राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने अपने उद्घाटन भाषण में इस वार्ता पर प्रकाश डाला कि भारत और फिलीपींस दोनों में समानताएं हैं जो उनके

उपनिवेशवाद विरोधी इतिहास और उनकी लोकतांत्रिक नीतियों से जुड़ी हैं। औपचारिक द्विपक्षीय संबंध नवंबर 1949 में स्थापित किया गया था। हाल के दिनों में, द्विपक्षीय संबंधों में फिर से वृद्धि हुई है। दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय संवाद और दौरे हुए हैं। सचिव मनालो की यात्रा ने भारत-फिलीपींस संबंधों में इस प्रवृत्ति की सराहना की। फिलीपींस भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी में एक प्रमुख भागीदार बन गया है। जहां तक हिंद-प्रशांत का संबंध है, नियम आधारित व्यवस्था और मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत को बनाए रखने में दोनों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। भारत हिंद-प्रशांत पर आसियान आउटलुक (एओआईपी) का समर्थन करता है, जिसमें भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) के साथ समानताएं हैं।

राजदूत टी. डाजा ने इस वार्ता पर प्रकाश डाला कि 2015-2019 तक भारत में फिलीपींस के पूर्व राजदूत के रूप में, उनके पास प्रत्यक्ष अनुभव था और वह समझती थीं कि साझा लोकतांत्रिक सिद्धांतों और मूल्यों ने भारत-फिलीपींस संबंधों को आकार दिया है। भारत और फिलीपींस अगले वर्ष द्विपक्षीय संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे।

अपने सप्रू हाउस व्याख्यान में, महामहिम एनरिक ए मनालो ने कहा कि भारत और फिलीपींस दोनों में बहु-सांस्कृतिक समाज और विविधताएं हैं जो उनकी ताकत हैं। यह उस लचीली कूटनीति में परिलक्षित होता है जो विविधता को पहचानती है, बहुपक्षवाद को काम करने और बड़े भारत-प्रशांत संरचना में पुलों का निर्माण करने और आम सहमति बनाने में महत्वपूर्ण है। भारत की सागर पहल और आसियान केंद्रीयता को मान्यता देने में फिलीपींस की भूमिका भारत और फिलीपींस के अपने-अपने उप-क्षेत्रों के लिए समान रणनीतिक दृष्टि को दर्शाती है। दोनों देश वर्तमान चुनौतियों का सामना करने के लिए बहुपक्षवाद की आवश्यकता को स्वीकार करते हैं। इस संबंध में, फिलीपींस ने बहुपक्षीय प्रणालियों में सुधार के लिए भारत के प्रयासों को मान्यता दी, जो समावेशी, पारदर्शी संस्थानों के लिए काम करता है। इस संबंध में, लोगों के हितों पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण था। दोनों देशों ने बाधाओं का सामना करते हुए लचीलापन दिखाया है और उन्हें अपने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर रहना चाहिए। इस संदर्भ में सहयोग के कई क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है, स्वास्थ्य सुरक्षा से लेकर उनकी बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने तक, वैश्विक कॉमन्स की रक्षा करने के लिए। साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों, जहां आम खतरों को संबोधित किया जा सकता है, और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए फिनटेक के अनुप्रयोग को सहयोग के साथ-साथ अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए भी बढ़ावा दिया जा सकता है। इसके अलावा, भारत और फिलीपींस के पास सहयोग के लिए कई सामान्य क्षेत्र हैं जिनका उपयोग समुद्री राष्ट्रों के रूप में किया जा सकता है। सचिव मनालो ने जोर देकर कहा कि फिलीपींस और भारत लोकतंत्र में एक अटूट विश्वास रखते हैं, और एकजुट करने, प्रेरित करने और बदलने की अपनी अनूठी शक्ति का दावा करते हैं।

भारत में श्रीलंका के महामहिम श्री मिलिंदा मोरागोडा ने आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से भेंट की 30 जून 2023

भारत में श्रीलंका के उच्चायुक्त महामहिम श्री मिलिंडा मोरागोडा ने 30 जून 2023 को सप्रू हाउस में राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से भेंट की। भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों और संयुक्त सहयोग की संभावनाओं से संबंधित पारस्परिक हित के विषयों पर चर्चा हुई।

आउटरीच कार्यक्रम

"हिंद-प्रशांत को जोड़ना:भारत के लिए अवसरों की खोज" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 28-29 अप्रैल 2023

28-29 अप्रैल 2023 को आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, जादवपुर एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस (जेएआईआर), कोलकाता द्वारा "इंडो-पैसिफिक को जोड़ना:भारत के लिए अवसरों की खोज" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। डॉ. प्रज्ञा पांडे, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए ने उद्घाटन भाषण दिया और सम्मेलन के विषय पर एक शोध-पत्र भी प्रस्तुत किया।

'नई सामरिक कथा के रूप में हिंद-प्रशांत' पर विशेष व्याख्यान, 03 मई 2023

डॉ. प्रज्ञा पांडे, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए ने 03 मई 2023 को आईसीडब्ल्यूए के यूनिवर्सिटी आउटरीच कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे), रांची में 'इंडो-पैसिफिक एज़ द न्यू स्ट्रैटेजिक नैरेटिव' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

"समकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास-भारत और दक्षिण पूर्व एशिया:एक इंडिक बेल्ट" पर तीन दिवसीय सम्मेलन, 05 मई 2023

डॉ. श्रीपति नारायणन, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए और डॉ. टेमजेनमेरेन एओ ने 05 मई 2023 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "समकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास-भारत और दक्षिण पूर्व एशिया:एक इंडिक बेल्ट" पर तीन दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया।

एसआईएस, जेएनयू द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'यूक्रेन युद्ध के बीच नॉर्डिक्स में बदलती सुरक्षा गतिशीलता' पर शोध-पत्र प्रस्तुति, 10-11 मई 2023

डॉ. हिमानी पंत, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए ने सेंटर फॉर यूरोपियन स्टडीज, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जेएनयू द्वारा आयोजित "वर्तमान वैश्विक विकास और नॉर्डिक" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'यूक्रेन युद्ध के बीच नॉर्डिक्स में बदलती सुरक्षा गतिशीलता' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया। 10-11 मई 2023 को भारत में नॉर्डिक सेंटर के साथ जीन मोनेट मॉड्यूल 'क्षेत्रीय लेंस के माध्यम से यूरोपीय एकीकरण को समझना' के हिस्से के रूप में।

9वीं हिंद महासागर वार्ता (आईओडी), 22-23 मई 2023

आईसीडब्ल्यूए ने 22-23 मई 2023 को ज़ांज़ीबार तंजानिया में आयोजित "समुद्री अर्थव्यवस्था में नवाचार और जीडीपी योगदान में इसकी भूमिका पर ट्रैक 1.5 9 वें हिंद महासागर संवाद" में एमईए के ज्ञान भागीदार के रूप में भाग लिया। संवाद में, डॉ. प्रज्ञा पांडे, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए ने 'महासागर शासन और समुद्री अर्थव्यवस्था' पर सत्र 2 में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। आईओआरए के 14 सदस्य देशों और संवाद भागीदारों ने भाग लिया।

आईसीडब्ल्यूए में शोध-प्रशिक्षु

अप्रैल-जून 2023 के दौरान, सुश्री तरवीन कौर, सुश्री अंजलि सिंह, सुश्री फरेहा उस्मानी, सुश्री वरुण शंकर, श्री विश्वरूप और श्री निखिल गुव्वाडी आईसीडब्ल्यूए में पूर्णकालिक रिसर्च इंटर्न के रूप में शामिल हुए। मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन (डीजीआईआर, एमएएचई) के भू-राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग से एमए कर रही सुश्री यशवी बरोट, श्री राजन साई सुक्रुत, श्री आदित्य चौहान, श्री आदित्य कुमार, सुश्री एल्फी जोसेफ, सुश्री सौमिया वी. के साथ-साथ क्राइस्ट विश्वविद्यालय से एमए, इंटरनेशनल स्टडीज की छात्रा सुश्री नव्या स्याम, श्री अपूर्व देवगिरी और सुश्री एलिना घोष भी जून-जुलाई 2023 के दौरान रिसर्च इंटर्न के रूप में आईसीडब्ल्यूए में शामिल हुईं। जीआईआर, मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल यूनिवर्सिटी और क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर आईसीडब्ल्यूए के एमओयू साझेदार हैं।

भारतीय वैश्विक परिषद प्रकाशन

मुद्दा संक्षिप्त

1. डॉ. श्रबाना बरुआ, बलूचिस्तान को पाकिस्तान में झांकने देने की आवश्यकता क्यों है (11 अप्रैल 2023)
2. डॉ. फज़्जुर रहमान सिद्दीकी, रूस-यूक्रेन संघर्ष और तुर्की का एक वर्ष: एक प्रतिबिंब (18 अप्रैल 2023)
3. डॉ. तुनचिनमांग लांगेल, हिंद-प्रशांत के लिए जापान-भारत-दक्षिण कोरिया त्रिपक्षीय (19 अप्रैल 2023)
4. तरवीन कौर, सोलोमन द्वीप में 30वर्ष बाद अमेरिका की राजनयिक वापसी (21 अप्रैल 2023)
5. डॉ. अथर जफर, राष्ट्रपति सेरदार का एक वर्ष: तुर्कमेनिस्तान में घटनाक्रम (28 अप्रैल 2023)
6. डॉ. तेशु सिंह, क्रॉस-स्ट्रेट संबंधों में हाल के घटनाक्रम (28 अप्रैल 2023)
7. डॉ. सुरभि सिंह, नए गतिशीलता गलियारों की खोज- इटली के सन्दर्भ में (1 मई 2023)
8. डॉ. सुरभि सिंह, यूरोपीय संघ की प्रवासन और शरण नीतियों को अगले स्तर तक ले जाना - आगे की लंबी राह (3 मई 2023)
9. डॉ. संजीव कुमार, अफगानिस्तान के मुद्दे पर चीन का स्थिति दस्तावेज: एक समीक्षा (10 मई 2023)
10. डॉ. श्रबाना बरुआ, इमरान खान की गिरफ्तारी: आंतरिक और बाहरी प्रतिक्रियाओं का आकलन (19 मई 2023)
11. डॉ. तुंचिनमंग लंगेल, जी7 हिरोशिमा लीडर्स समिट 2023 का पूर्वावालोकन (30 मई 2023)
12. डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय, एफआईपीआईसी III: प्रशांत द्वीप समूह के साथ भारत के जुड़ाव का संवर्धन (06 जून 2023)
13. डॉ. अरशद, अरब लीग में सीरिया का पुन: एकीकरण: पहलू और संभावनाएं (06 जून 2023)
14. डॉ. स्तुति बनर्जी, संयुक्त राज्य अमेरिका की ऋण सीमा वार्ता और उनका महत्व (15 जून 2023)
15. विश्वरूप बैद्य, ईरान-अज़रबैजान संबंधों में चुनौतियां: क्षेत्र के लिए निहितार्थ (16 जून 2023)
16. डॉ. श्रीपति नारायणन, थाईलैंड के 2023 के आम चुनाव का विवेचन (16 जून 2023)
17. डॉ. संजीव कुमार, यूक्रेन पर चीन की ढुलमुल कूटनीति (28 जून 2023)

दृष्टिकोण

1. डॉ. समाथा मल्लेमपति, श्रीलंका को आईएमएफ ऋण: वर्तमान में चुनौतियां (06 अप्रैल 2023)
2. डॉ. हिमानी पंत, रूस की नई विदेश नीति अवधारणा (13 अप्रैल 2023)
3. डॉ. अन्वेशा घोष, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख दोहा में अफगानिस्तान पर एक अंतरराष्ट्रीय बैठक की मेजबानी करेंगे (28 अप्रैल 2023)
4. अंजलि सिंह, सऊदी अरब की लुक ईस्ट नीति (28 अप्रैल 2023)
5. डॉ. अरशद, तुर्की-फ्रांस संबंधों को कैसे प्रभावित कर रहा है कुर्दिश का मुद्दा (09 मई 2023)
6. डॉ. अन्वेषा घोष, संयुक्त राष्ट्र ने तालिबान को शामिल किए बिना महत्वपूर्ण अफगानिस्तान वार्ता आयोजित की (09 मई 2023)
7. डॉ. फज़्जुर रहमान सिद्दीकी, सूडान में फिर से अराजकता: एक आकलन (17 मई 2023)
8. डॉ. गौरी नरैन माथुर, सूडान संकट: क्या दांव पर है (18 मई 2023)
9. डॉ तेशु सिंह, वैश्विक व्यापार में रॅन्मिन्बी का बढ़ता उपयोग (22 मई 2023)
10. डॉ. हिमानी पंत, प्रथम भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद: भारत-यूरोपीय संघ संबंधों में महत्वपूर्ण उपलब्धि (22 मई 2023)
11. डॉ. स्तुति बनर्जी, मध्य एशिया में अमेरिका (09 मार्च 2023)

12. डॉ. अर्णब चक्रवर्ती, पीआरसी और होंडुरास के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना- वृहत निहितार्थ (01जून 2023)
13. वरुणा शंकर, नाटो में फिनलैंड के प्रवेश का महत्व (07 जून 2023)
14. डॉ. श्रवण बरुआ, नेपाल के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा उनके द्विपक्षीय समीकरण में ऊर्जा और संयोजकता बुनियादी ढांचे के महत्व की पुनरावृत्ति करती है (12 जून 2023)
15. डॉ. समथा मल्लेम्पति, मालदीव में आगामी 2023 राष्ट्रपति चुनाव: एमडीपी के भीतर हंगामा (14 जून 2023)
16. डॉ. श्रीपति नारायणन, यूक्रेन और इंडोनेशिया के आसियान केंद्रीयता के लिए जकार्ता की शांति योजना (14 जून 2023)
17. फारेहा उस्मानी, भारत-अफ्रीका की गहरी होती रक्षा साझेदारी और आगे के रास्ते (23 जून 2023)
18. डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय, अमेरिका और पापुआ न्यू गिनी ने दक्षिण प्रशांत में तेजी से भू-राजनीतिक परिवर्तनों के बीच महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए (28 जून 2023)
19. डॉ. हिमानी पंत, जर्मनी की पहली राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति: कार्य-क्षेत्र और सीमाएं (28 जून 2023)

आईसीडब्ल्यूए अतिथि कॉलम

1. संकल्प गुर्जर, सहायक प्रोफेसर, मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, 'पश्चिम अफ्रीका में महान शक्ति राजनीति के बदलते स्वरूप' (10 अप्रैल 2023)
2. प्रो. अमोनुल्ला मुखमेदजनोव, ताशकंद राष्ट्र विधि विश्वविद्यालय, 'संविधान पर जनमत संग्रह की पूर्व संध्या पर उज़्बेकिस्तान' (27 अप्रैल 2023)
3. राजदूत लक्ष्मी पुरी, पूर्व सहायक महासचिव, संयुक्त राष्ट्र और संस्थापक उप कार्यकारी निदेशक, यूएनवुमेन, 'महिला नेतृत्व वाले विकास की सीमाओं को आगे बढ़ाना:भारत की जी20 प्रेसीडेंसी' (04 मई 2023)
4. डॉ. अजय चौधरी, दीपक माहेश्वरी, अवनि सबलोक, प्रो. सुधांशु भूषण और डॉ. मयूर त्रिवेदी, 'भारतीय कूटनीति और भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रम' (23 मई 2023)
5. गुल्डेन कास्करबायेवा, ज़ू झेंगक्सिन, कारागुलोव बतिर-मुखम्मद अज़ामतोविच, दिमित्री पावलोविच नोविकोव, रहीमोव फ़रीदुन, और डेवलाटोव कामरोनबेक संजरबेक उगली, 'एक सुरक्षित शंघाई सहयोग संगठन की ओर:आईसीडब्ल्यूए में एससीओ रेजिडेंट शोधकर्ताओं के विचार', (15 जून 2023)

सप्रू हाउस शोधपत्र

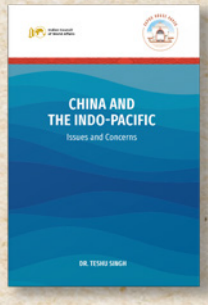

चीन और हिंद-प्रशांत:मुद्दे और चिंताएं
डॉ. तेशु सिंह
(भारतीय वैश्विक परिषद 2023)

भारत और लैटिन अमेरिका संबंध-एसआईसीए को समझना
डॉ. स्तुति बनर्जी और डॉ. अर्नब चक्रवर्ती
(भारतीय वैश्विक परिषद 2023)

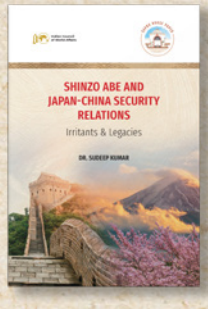

शिंजो आबे और जापान-चीन सुरक्षा संबंध-चिड़चिड़ाहट और विरासत
डॉ. सुदीप कुमार
(भारतीय वैश्विक परिषद 2023)

तुर्किये-मिस्र संबंधों के दस वर्ष-टकराव और सुलह
डॉ. अरशद
(भारतीय वैश्विक परिषद 2023)

सप्रू हाउस शोधपत्र

रूस-चीन संबंध और बदलती विश्व व्यवस्था
डॉ. हिमानी पंत
(भारतीय वैश्विक परिषद 2023)

विशेष प्रकाशन

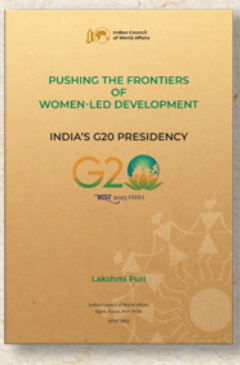

'पुशिंग द फ्रंटियर्स ऑफ वुमेन-लेड डेवलपमेंट:इंडिया जी20 प्रेसीडेंसी'
राजदूत लक्ष्मी पुरी
(पूर्व सहायक महासचिव, संयुक्त राष्ट्र और संस्थापक उप कार्यकारी निदेशक, यूएनडब्ल्यूओएमईएन, 4 मई, 2023)

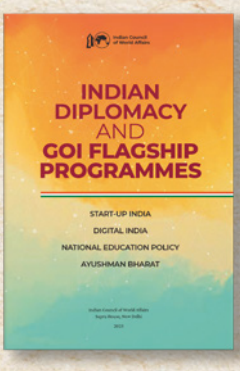

'इंडिया डिप्लोमेसी एंड जीओआई फ्लैगशिप प्रोग्राम'
डॉ. अजय चौधरी, दीपक माहेश्वरी, अवनी सबलोक, प्रो. सुधांशु भूषण, डॉ. मयूर त्रिवेदी
(भारतीय वैश्विक परिषद; 23 मई, 2023)

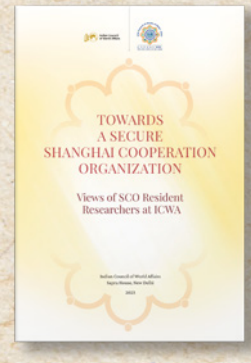

'टुवार्ड्स ए सिक्योर शंघाई कोऑपरेशन आर्गेनाइजेशन:व्यूस ऑफ एससीओ रेजिडेंट रिसर्चस एट आईसीडब्ल्यूए',
गुल्डेन कास्करबायेवा, ज़ो झेंगक्सिन, कारागुलोव बातिर-मुखम्मद अज़ामतोविच, दिमित्री पावलोविच नोविकोव, रहीमोव फ़रीदुन, और डेवलातोव कामरोनबेक संजरबेक उगली
(भारतीय वैश्विक परिषद; 15 जून 2023)

'भारत की विदेश नीति के 75 वर्ष का समारोह'
(भारतीय वैश्विक परिषद; 21 जून 2023)

भारतीय वैश्विक परिषद पुस्तकें

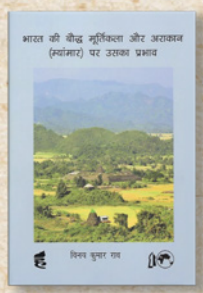

भारत की बौध्द मूर्तिकला और अराकान (म्यांमार) पर उसका प्रभाव
विनय कुमार राव
(भारतीय वैश्विक परिषद; हिंदी बुक सेंटर, 2023)

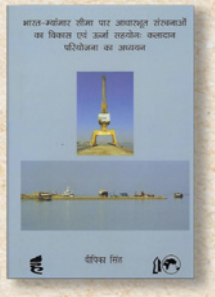

भारत-म्यांमार सीमा पार आधारभूत सरचंनाओं का विकास एवं उर्जा सहयोग: कलादान परियोजना का अध्ययन
(भारतीय वैश्विक परिषद; हिंदी बुक सेंटर, 2023)

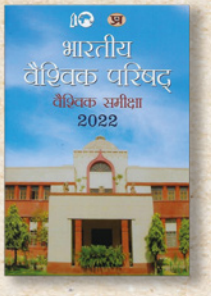

भारतीय वैश्विक परिषद् समीक्षा 2022
(भारतीय वैश्विक परिषद; प्रभात प्रकाशन, 2023)

इण्डिया क्वार्टरली, ए जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स
खंड 79, अंक 2, जून 2023

संपादकीय

इंडिया क्वार्टरली के इस अंक के प्रेस में जाते समय, बड़े मुद्दों के बारे में बहुत चर्चा होती है:यूक्रेन में युद्ध, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच गंभीर रूप से तनावपूर्ण संबंध, और मौजूदा वैश्विक शासनों के लिए दोनों के निहितार्थ। फिर भी, जैसा कि प्राय: होता है, यह छोटे, अधिक बारीक लेकिन कम महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के ताने-बाने को बनाए रखते हैं, जैसा कि हम इंडिया क्वार्टरली के इस अंक के लेखों के साथ देखते हैं। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का एक बड़ा हिस्सा अब नए नायकों के कार्यों और नई गतिविधियों के एक सेट पर टिका हुआ है, जिनमें से दोनों को राष्ट्र नीति में नेटवर्क किया गया है। उदाहरण के लिए, हालांकि राष्ट्र, वैश्विक सहायता संगठन और स्थानीय नायक मानवता पर आपदाओं के हमले पर प्रतिक्रिया देते हैं, प्रवासी संगठन सहायता और सहायता के महत्वपूर्ण प्रदाता बन गए हैं। जैसा कि एक लेखक ने टिप्पणी की है, ये संगठन मानवीय कार्रवाई के संदर्भ का विस्तार करते हैं और 'अन्य सहायता प्रदाताओं पर उल्लेखनीय द्वितीयक प्रभाव भी डालते हैं'। अन्य क्षेत्रों में, जबकि राष्ट्र नीति तैयार करता है, यह नए नायकों का एक मेजबान है जो इसे आगे ले जाते हैं। जैसा कि इस अंक के अन्य लेखों में कहा गया है, यह चीन की बेल्ट एंड रोड पहल के लिए उतना ही सच है जितना कि दक्षिण पूर्व एशिया में भारत की सॉफ्ट पावर के प्रसार के लिए है। कोविड-19 के बाद बीआरआई के लिए भविष्य के रुझान अधिक क्षेत्रीय और भौगोलिक जटिलता का संकेत देते हैं। डिजिटल कनेक्टिविटी, नवाचार और छोटी और स्मार्ट परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने से कई कंपनियां बीआरआई में अब तक सक्रिय नहीं हैं। भारत के लिए, ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में इसकी सॉफ्ट पावर के प्रभाव के उत्साहजनक आकलन से संस्कृति की भाषा बोलने के लिए सबसे उपयुक्त लोगों के साथ अधिक जुड़ाव हो सकता है।

फिर भी, राष्ट्र आसानी से अपने नागरिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए उत्तरदायित्व से पीछे नहीं हट सकते हैं। पाकिस्तान का मौजूदा संकट इस परित्याग को और तात्कालिक अर्थों में बताता है, लेकिन जैसा कि इस अंक में एक लेखक ने लिखा है, पाकिस्तान के प्रांतों में जमीनी स्तर पर यह संकट वर्षों से बना हुआ है। सार्वजनिक क्षेत्र के संसाधनों का आवंटन नौकरशाही अभिजात वर्ग द्वारा या तो व्यक्तिगत लाभ के लिए बजट का दुरुपयोग करने या 'राजनीतिक निष्ठा' खरीदने के लिए किया गया है, जिससे गंभीर सामाजिक और आर्थिक असंतुलन पैदा हो रहा है। सीमा के अपनी तरफ चीन के बुनियादी संरचना से भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और अपने उत्तर पूर्व में आर्थिक और विकास घाटे के संयोजन का सामना करते हुए, भारत ने इसके बजाय सीमा प्रबंधन और बुनियादी संरचना के विकास के एक कार्यक्रम को लागू करने का विकल्प चुना है। इस संदर्भ में, जैसा कि एक लेखक का तर्क है, सीमा पर रेलवे के बुनियादी संरचना का निर्माण 'महत्वपूर्ण भू-राजनीति का एक उपकरण किट' बन गया है। अंत में, एक सामयिक लेख में देखा गया है कि एक उदीयमान हुई शक्ति के रूप में भारत, छोटे द्वीप विकासशील राज्यों के साथ हितों के टकराव को संबोधित करने के लिए क्या कर सकता है, जिनमें से कई ग्लोबल वार्मिंग के कारण अस्तित्व के खतरे में पड़ोसी हैं। जैसा कि लेखक ने नोट किया है, वर्तमान स्थिति भारत के लिए 'एक नई विश्व व्यवस्था में नेतृत्व की भूमिका निभाने' के लिए 'एक चुनौती के साथ-साथ एक अवसर भी प्रस्तुत करती है'।

प्रो. मधु भल्ला
संपादक, भारत त्रैमासिक

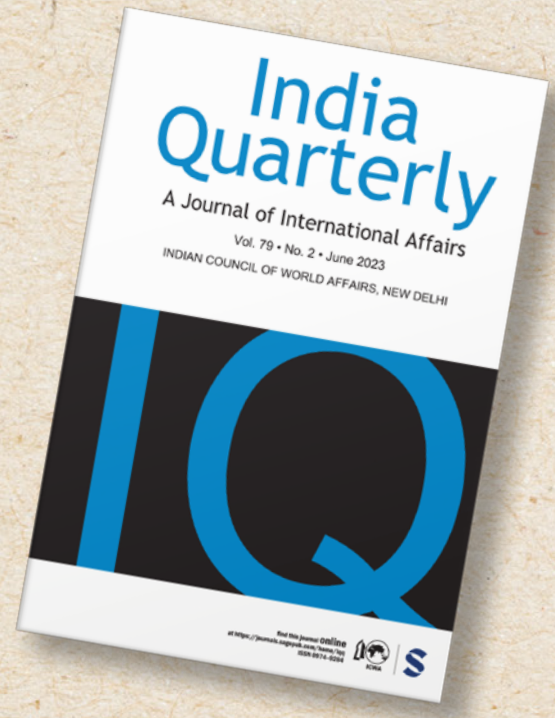

भारतीय वैश्विक परिषद के बारे में

भारतीय वैश्विक परिषद (ICWA) की स्थापना 1943 में सर तेज बहादुर सप्रू और डॉ एच.एन. कुंजरू के नेतृत्व में प्रख्यात बुद्धिजीवियों के एक समूह द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर एक भारतीय परिप्रेक्ष्य बनाना और विदेश नीति के मुद्दों पर ज्ञान और सोच के भंडार के रूप में कार्य करना था। परिषद आज एक आंतरिक संकाय के साथ-साथ बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से नीति शोध करती है। यह सम्मेलनों, संगोष्ठियों, गोलमेज परिचर्चाओं, व्याख्यानों सहित बौद्धिक गतिविधियों की एक श्रृंखला नियमित रूप से आयोजित करती है और कई प्रकाशनों का प्रकाशन करती है। इसमें एक बहुत सी पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय, एक सक्रिय वेबसाइट है, और यह 'इंडिया क्वार्टरली' पत्रिका प्रकाशित करती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बेहतर समझ को बढ़ावा देने और आपसी सहयोग के क्षेत्रों को विकसित करने के लिए आईसीडब्ल्यूए ने अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों और अनुसंधान संस्थानों के साथ 50 से अधिक समझौता ज्ञापन किए हैं। परिषद की भारत में अग्रणी शोध संस्थानों, थिंक टैंकों और विश्वविद्यालयों के साथ भी साझेदारी है।

मेंटर : राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

संपादक : श्रीमती नूतन कपूर महावर, संयुक्त सचिव, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

प्रबंध संपादक : डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

सहायक संपादक : डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी, अनुसंधान अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

सहायक : सुश्री अन्विति मोहिले, संयुक्त प्रबंधक, MyGov/आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

हमसे जुड़ें

/Sapru.House @ICWA_NewDelhi /ICWA_NewDelhi www.icwa.in

/company/indian-council-of-world-affairs1

आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली - 110001 द्वारा प्रकाशित समाचार पत्रक

वेबसाइट: https://www.icwa.in; दूरभाष नं 011-23317246 फैक्स नंबर 011-23310638